सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

शुभमन गिल या यशस्वी जायसवालः एशिया कप टीम में किसे मिलेगी जगह -पेजः 7

पति, पत्नी और वो 2 में हुई रकुल प्रीत सिंह की एंट्री -पेजः 8

वर्षः 01 | अंकः 127 | शुक्रवार 15 अगस्त 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

संपादकीय

करे कोई, भरे कोई

पुराने वाहन मालिकों के लिए सुप्रीम कोर्ट ने राहत भरा आदेश दिया है। दिल्ली-एनसीआर में दस साल पुराने ड़ीजल व पंद्रह साल पुराने पेट्रोल वाहनों पर प्रतिबंध लगाने वाले आदेश पर रोक लगा दी है। आदेश है कि चार हफ्ते बाद होने वाली सुनवाई से पहले किसी भी वाहन मालिक के खिलाफ सिर्फ वाहन के पुराना होने के कारण दंड़ात्मक कार्रवाई नहीं की जाए। अक्टूबर, 2018 में एनजीटी यानी नैशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के आदेशानुसार पुराने वाहनों को सड़कों पर चलने की अनुमति न देने व अनुपालन न करने की स्थिति में वाहनों की जब्ती पर रोक लगाने के फैसले को वापस लेने वाली याचिका पर सुनवाई हुई। नवम्बर, 2014 में ट्रिब्यूनल ने कहा था कि यह निर्देश बिना किसी अपवाद के सभी वाहनों, यानी दो पहिया, तीन/चार पहिया व हल्के-भारी वाहनों वाणिज्य व अन्य सभी पर लागू होगा। 2023-24 के एक सर्वे के अनुसार दिल्ली में तकरीबन अस्सी लाख गाड़ियां हैं जो न सिर्फ हानिकारक गैस उत्सर्जित करती हैं, बल्कि धूल भी बड़ी मात्रा में उड़ाती हैं। दिल्ली में 12प्र. वायु प्रदूषण के लिए वाहनों को दोषी माना जा रहा है। इस प्रतिबंध को शीर्ष अदालत में चुनौती दी गई। बीती जुलाई में दिल्ली सरकार ने अचानक पुराने वाहनों को ईंधन न देने का निर्देश जारी कर दिया था जिसका न सिर्फ दिल्ली/एनसीआर, बल्कि देश भर में भारी विरोध हुआ। लोगों ने इसे वाहन निमार्ता कंपनियों का दबाव तक कहा तथा इसे जनता के साथ अन्याय बताया। एक लाठी से सबको हांकने वाला यह प्रतिबंध विवेकपूर्ण नहीं कहा जा सकता। प्रति दस साल के दरम्यान गाड़ी बदलना, आम भारतीय नागरिक के लिए असंभव है। बेशक, प्रदूषण का मसला हर किसी के लिए महत्त्वपूर्ण है मगर वाहन प्रदूषण पर पाबंदी लगाने के तरीके वैज्ञानिक और तकनीकी होने चाहिए। प्रदूषक वाहनों की सटीक जांच, निर्धारित तंत्रों की उचित भूमिका व उत्सर्जन का पैमाना आदि को केंद्रीय मोटर वाहन अधिनियम के तहत सख्त बनाया जाए। प्रौद्योगिकीय स्तर पर बदलाव की संभावनाओं पर विचार हो, वाहन निमार्ताओं को उत्सर्जन मानकों के प्रति अधिक जिम्मेदार बनाने संबंधी कदम उठाए जाएं ताकि वाहन मालिकों को प्रताड़ित करने की बजाय संतुलित नीति बना कर सामूहिक तौर पर जिम्मेदारी वहन की जा सके। लापरवाह सरकारों व सिस्टम को अपनी असफलताओं व कोताहियों का सारा दारोमदार नागरिकों पर लादने का खमियाजा भुगतने के लिए भी तैयार होना चाहिए।

चिंतन-मनन

निष्ठा और सत्य

निष्ठा अविभाजित मन, अविभाजित चेतना का स्वभाव है। ईश्वर में तुम्हारी निष्ठा है, उसे जानने का प्रयत्न मत करो। आत्मा में तुम्हारी निष्ठा है, उसे जानने का प्रयत्न मत करो। जिसमें भी तुम्हारी निष्ठा है, उसे जानने की कोशिश न करो। बच्चे को मां में विश्वास है। बच्चा मां को जानने का प्रयत्न नहीं करता, उसे केवल मां में विश्वास है। जब तुममें निष्ठा है, जानने की क्या आवश्यकता है? यदि तुम प्रेम को जानने का विषय बनाते हो, प्रेम लुप्त हो जाता है। ईश्वर, प्रेम, आत्मा और निद्रा समझ के परे हैं।

यदि तुम केवल विश्लेषण करते हो, संशय उत्पन्न होता है और निष्ठा खत्म होती है। जिसमें तुम्हारी निष्ठा है, उसे जानने की या विश्लेषण करने की चेष्टा न करो। विश्लेषण दूरी पैदा करता है, संश्लेषण (संकलन) जोड़ता है। निष्ठा संकलन है, जानना विभाजन। निष्ठा और विश्वास में फर्क है, विश्वास हल्का होता है, निष्ठा ठोस, अधिक सबल। हमारे विश्वास बदल सकते हैं मगर निष्ठा अटल होती है। निष्ठा के बिना चेतना नहीं। यह दिये की लौ के समान है। निष्ठा है चेतना की शान्त, स्थायी प्रकृति। निष्ठा चेतना का स्वभाव है। सत्य वह है जो बदलता नहीं। अपने जीवन को देखो और पहचानो कि वह सब जो बदल रहा है, सत्य नहीं। इस दृष्टि से देखने पर तुम पाओगे कि तुम केवल असत्य से घिरे हुए हो। असत्य को पहचानने पर तुम उससे मुक्त होते हो। जब तक तुम असत्य को पहचानोगे नहीं, उससे मुक्त नहीं हो सकते। स्वयं के जीवन के अनुभव तुम्हें तुम्हारे असत्यों की पहचान कराते हैं। जैसे-जैसे जीवन में परिपक्वता आती है, तुम पाते हो कि सभी कुछ असत्य है- घटनाएं, परिस्थितियां, लोग, भावनाएं, विचार, मत-धारणाएं, तुम्हारा शरीर-सभी असत्य है। और तभी सच्चे अर्थ में सत्संग (सत्य का संग) होता है। मां के लिए बच्चा तब तक असत्य नहीं है जब तक बालिग नहीं हो जाता। बच्चे के लिए मिठास असत्य नहीं और किशोर के लिए सैक्स असत्य नहीं। ज्ञान यदि शब्दों तक सीमित है, तो वह असत्य है। परंतु अस्तित्व के रूप में यह सत्य है। प्रेम भावना के रूप में सत्य नहीं, अस्तित्व के रूप में यह सत्य है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

निष्काम कर्म योगी अटल बिहारी वाजपेई की पुण्यतिथि:साधारण सा दिखने वाला असाधारण महापुरुष

मुकेश तिवारी

पाठशाला से लेकर कॉलेज तक ओजस्वी और चुटीले भाषण व वाद विवाद प्रतियोगिता में निरंतर भागीदारी ने अटल जी के व्यक्तित्व के उस पहलू को सबसे ज्यादा निखारा जो उनकी लोकप्रियता का सबसे बड़ा आधार था ।अटल जी ने वाणी की ओजस्वता के साथ कलम की तेजस्विता का बखूबी समन्वय किया,अटल जी ने पांचजन्य व राष्ट्रधर्म का संपादन भी किया। दिलचस्प बात यह है कि अटल जी सिर्फ संपादकीय ही नहीं लिखते थे ,बल्कि लखनऊ में आमीनाबाद की मारवाड़ी गली में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के साथ राष्ट्रधर्म के बंडल भी बाधते थे।वे संयुक्त राष्ट्र में हिंदी में भाषण देने वाले पहले भारतीय नेता थे, इतना ही नहीं उन्होंने 1998में परमाणु विस्फोट का निर्णय कर भारत को नई पहचान दी,

25दिसम्बर2014को अटल जी को भारत रत्न से सम्मानित किए जाने का केन्द्र सरकार द्वारा फैसला किया गया और 27 मार्च 2015को तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने स्वयं उनके दिल्ली स्थित आवास पर पहुंचकर भारत रत्न से सम्मानित किया था,

राजनीति और लोकप्रियता में हर समकालीन से काफी ऊंचे भारत रत्न से सम्मानित और तीन बार देश के प्रधानमंत्री रहे अटल बिहारी वाजपेई ने देश के आजाद होने से पूर्व और आजाद होने के पश्चात अपना संपूर्ण जीवन देश और देशवासियों के कल्याण के लिए समर्पित कर दिया उनकी वाणी से असाधारण शब्दों को सुनकर जनसामान्य उत्साहित होते रहे और उनके कार्यों से हिंदुस्तान का मस्तक ऊंचा हुआ ,को परमपिता परमेश्वर ने वह रुखियाई कभी नहीं दी जो शिखर पर बैठे लोगों में देखने को अक्सर मिलती है ।कड़वा सच तो यह है कि यही अद्भुत कला उनके जन जन का लोकप्रिय नेता होने की सबसे अहम वजह थी।

व्यक्तित्व के रोम- रोम में रची बसी ठेठ भारतीय संस्कृति भोजन से लेकर व्यवहार तक खालिस स्थान भारतीय संस्कार राजनीति की रपटीली राह पर सरपट चलते हुए भी साहित्य से गहरा नाता ,अनुभवों को पंक्तियों में ढाल लेने की कवित्व प्रतिभा यह सब अटल जी के ही व्यक्तित्व के आयाम थे ।इन्हीं गुणों ने उन्हें जमीनी नेता बनने में अहम भूमिका अदा की।

25 सितंबर 1924 को ग्वालियर के शिंदे की छावनी में कमल सिंह का बाग स्थित कृष्ण बिहारी वाजपेई के घर में जब अटल जी जन्मे उसे दिन क्रिसमस का दिन था। गिरजाघर की घंटियों के मध्य अटल जी के घर में थाली बजी थी । उनके पिता उत्तर प्रदेश के बटेश्वर से ग्वालियर रियासत में शिक्षक की नौकरी करने आए थे। मां कृष्णा की अटल सातवीं में संतान थे। धार्मिक और ज्योतिषी बाबा श्यामलाल वाजपेई के संस्कारों बटेश्वर मंदिर में देवी प्रार्थना और घुट्टी में मिली रामचरितमानस ने अटल जी को उतना ही धार्मिक बनाया जितना एक सामान्य भारतीय होता है ।घनाक्षरी व सवैया छंदों के महारथी पिता कृष्ण बिहारी वाजपेई ने अटल जी को जो संस्कार दिए वह बचपन से लेकर चाहे वह आपातकाल की जेल यात्रा हो या फिर राजनीतिक जीवन के उतार चढ़ाव हर जगह काम आते रहे।

मध्यवर्ग की शिक्षक के बेटे अटल को चरित्र का जो पाठ पढ़ाया गया था वहां उनकी अंतिम सांस तक साथ रहा ।पिता द्वारा पारिवारिक गुरु से अटल जी की पट्टी पुजाई और फिर प्रारंभ हुई शिक्षक पिता की अपने बेटे को दीक्षा। गोरखी स्कूल से मिडिल और ग्वालियर के विक्टोरिया कॉलेज से जो वर्तमान में एम एल बी कॉलेज कहलाता है से ग्रेजुएशन किया। कानपुर के डीएवी कॉलेज से राजनीति शास्त्र से ग्रेजुएशन किया।अटल जी ने कानून की तालीम अपने पिता के साथ की। दोनों एक साथ हॉस्टल में रहते थे और एक साथ ही कालेज में जाते थे । हालांकि बीच में उन्हें कानून की पढ़ाई छोड़ने पड़ी ।अटल जब क्लास में नहीं होते तो प्रोफेसर पूछ बैठे पंडित जी आपके साहबजादे कहां है। वह जवाब देते कमरे की कुंडली लगाकर आते ही होंगे।

15 साल की आयु में ही अटल जी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ गए थे। नारायण राव तरटे उस वक्त ग्वालियर में प्रचारक थे ।वाजपेई जी के जीवन में आए हुए सबसे महत्वपूर्ण लोगों में नारायण राव तराटे भी है ।संघ के संस्कारों में अटल जी ने बच्चन के चर्चित गीत मिट्टी का तन क्षण भर जीवन मेरा परिचय के आधार पर अपनी जग प्रसिद्ध कविता लिखी जो उन्होंने 1942 में लखनऊ के कालीचरण हाई स्कूल में लगे शिविर में पहली बार प्रस्तुत की थी। उक्त कविता थी।हिन्दू तन मन हिन्दू जीवन रग रग हिन्दू मेरा परिचय।

अटल जी ने बी ए में हिंदी ,संस्कृत और अंग्रेजी तीनों साहित्य एक साथ पढे जो उन दिनों सिर्फ आगरा विश्वविद्यालय में ही पढ़ाई जाते थे ।अटल जी ने एम ए में विश्वविद्यालय में द्वितीय स्थान प्राप्त किया और अपनी वाक प्रतिभा और निखरी तथा उन्हें कानपुरिया तहजीब की ठसक के साथ कन्नौजी और बैसवारी भाषा के संस्कार मिले । किशोरवस्था में पहली बार रटकर भाषण देने की छूट होने के बावजूद अटल जी ने प्रत्युत्पन्नमति के आधार पर भाषण देने की जो गांठ बांधी थी वह फरवरी 2009 में ब्रेन स्ट्रोक होने के पूर्व तक उनके साथ रही । स्कूल से लेकर कॉलेज तक ओजस्वी और चुटीले भाषण व बाद विवाद प्रतियोगिता में निरंतर भागीदारी ने अटल जी के व्यक्तित्व के उस पहलू को सबसे ज्यादा निखारा जो उनकी लोकप्रियता का सबसे बड़ा आधार था। अटल जी की वक्तव्य शैली के कारण लाखों लोग उनके भाषणों को तन्मयता और तल्लीनता के साथ सुनते थे।

कृष्ण के आदर्श और भारतीय संस्कृति में उनका महत्व

योगेश कुमार गोयल

श्रीकृष्ण की लीलाओं में जीवन का संदेश...

भाद्रपक्ष कृष्णाष्टमी का दिन सम्पूर्ण भारतवर्ष में हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। मान्यता है कि मथुरा के कारागार में वसुदेव की पत्नी देवकी ने इसी दिन अपने आठवें पुत्र रूप में भगवान श्रीकृष्ण को जन्म दिया था। यह पर्व भारतीय संस्कृति, धर्म, दर्शन और जीवन मूल्यों का जीवंत उत्सव है। जन्माष्टमी की तिथि को लेकर इस बार कुछ भ्रम उत्पन्न हुआ था। द्रिक पंचांग के अनुसार, 15 अगस्त की रात 11 बजकर 49 मिनट से भाद्रपद माह की कृष्णाष्टमी प्रारंभ हो रही थी, जो 16 अगस्त की रात 9 बजकर 24 मिनट तक रहेगी जबकि रोहिणी नक्षत्र 17 अगस्त की सुबह प्रारंभ होगा। विद्वानों का मत है कि जब अष्टमी तिथि और रोहिणी नक्षत्र का मिलन नहीं हो रहा हो, तब उदयातिथि को मान्यता देकर उत्सव मनाया जाए। इस दृष्टिकोण के अनुसार, इस वर्ष जन्माष्टमी 16 अगस्त को ही मनाई जाएगी।

भगवान श्रीकृष्ण का जन्म केवल एक ऐतिहासिक या धार्मिक घटना नहीं बल्कि मानव जीवन के लिए गहन संदेश और आदर्श जीवन का प्रारूप है। उनके बाल्यकाल से लेकर जीवन के प्रत्येक क्षण में लीलाओं का अद्भुत श्रृंगार दिखाई देता है। उन्होंने अपने बड़े भाई बलराम का घमंड तोड़ने के लिए हनुमान जी का आव्हान किया, जिन्होंने बलराम की वाटिका में जाकर उनका घमंड चूर कर दिया। श्रीकृष्ण ने नरकासुर नामक असुर के कारागार से 16,100 बंदी महिलाओं को मुक्त कराया, जिन्हें समाज ने बहिष्कृत कर दिया था। उन सभी महिलाओं को उन्होंने अपनी रानियों का दर्जा देकर सम्मानित किया। ये लीलाएं न केवल अद्भुत हैं बल्कि जीवन के नैतिक और सामाजिक संदेश भी देती हैं।

पौराणिक कथाओं के अनुसार, द्वापर युग के अंत में मथुरा में अग्रसेन नामक राजा का शासन था। उनके पुत्र कंस अत्यंत क्रूर और अत्याचारी थे। कंस बलपूर्वक अपने पिता का सिंहासन छीनकर स्वयं मथुरा का राजा बन गया। उसकी बहन देवकी का विवाह वसुदेव के साथ हुआ। विवाह के समय कंस को आकाशवाणी हुई कि देवकी का आठवां पुत्र उसका संहारक बनेगा। भयभीत कंस ने देवकी और वसुदेव को कारागार में डाल दिया। पहले सात पुत्रों को कंस ने मार डाला। जब आठवें गर्भ की सूचना मिली तो कंस ने कारागार की सुरक्षा और पहरे कड़े कर दिए। अंततः वह क्षण आया, जब देवकी ने श्रीकृष्ण को जन्म दिया। उस समय मथुरा में घोर अंधकार और मूसलाधार वर्षा हो रही थी। देवकी के गर्भ से जन्म लेते ही कोठरी में अलौकिक प्रकाश फैल गया और वसुदेव ने देखा कि उनके सामने शंख, चक्र, गदा और पद्मधारी चतुर्भुज भगवान खड़े हैं। उनके दिव्य रूप के दर्शन कर वसुदेव और देवकी उनके चरणों में गिर पड़े। भगवान ने वसुदेव से कहा कि वे बालक का रूप धारण करेंगे और तुरंत गोकुल में नंद के घर पहुंचा दें, जहां एक कन्या का जन्म हुआ है। उसी कन्या को कंस को सौंप दें। उनकी माया से कारागार के सभी ताले और पहरेदार सो रहे थे और यमुना ने मार्ग सुरक्षित कर दिया।

वसुदेव ने भगवान की आज्ञा का पालन किया और शिशु कृष्ण को सिर पर उठा लिया। यमुना में प्रवेश करते ही जल उनके चरणों के स्पर्श से हिलोरें लेने लगा और जलचर उनके चरणों के दर्शन के लिए उमड़ पड़े। गोकुल पहुंचकर वसुदेव ने नंद बाबा के घर सोई हुई कन्या को उठाया और उसकी जगह श्रीकृष्ण को लिटा दिया। कारागार में लौटकर वसुदेव ने देखा कि ताले अपने आप बंद हो गए और पहरेदार जाग गए। कंस को जैसे ही कन्या के जन्म का समाचार मिला, वह तुरंत कारागार पहुंचा। उसने कन्या को मारने का प्रयास किया लेकिन कन्या अचानक आकाश में उठ गई और कहा कि उसका संहारक गोकुल में सुरक्षित है। कंस ने भगवान को मारने के लिए कई राक्षस भेजे लेकिन भगवान श्रीकृष्ण ने प्रत्येक राक्षस का वध कर कंस का अंत किया। इसके बाद उन्होंने उग्रसेन को राजगद्दी पर बिठाया और अपने माता-पिता वसुदेव और देवकी को कारागार से मुक्त कराया। तभी से जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया जाने लगा।

भगवान श्रीकृष्ण का जीवन न केवल लीलाओं से भरा है बल्कि गहन जीवनदर्शन और मूल्य शिक्षा का स्रोत भी है। उनके बाल्यकाल की शरारतें, माखन चोरी, कालिया नाग का मर्दन, गोपियों के साथ रास लीला, इन सभी लीलाओं में प्रेम, साहस, न्याय और करुणा का संदेश निहित है। किशोरावस्था में उनका प्रेम और मित्रता का आदर्श और युवावस्था में उनका कूटनीति, नेतृत्व और धर्म की रक्षा का दृष्टांत हमें जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में मार्गदर्शन देता है। श्रीकृष्ण की लीलाओं में करुणा और न्याय का अद्भुत मिश्रण दिखाई देता है। पूतना राक्षसी के विष से भरे स्तन का दूध पीते समय भी श्रीकृष्ण ने उसे मां का सम्मान दिया जबकि उसकी दुष्टता के लिए उसका वध किया। नरकासुर वध और कारागार से 16,100 महिलाओं को मुक्त कर सम्मान देना इस बात का प्रमाण है कि उनका जीवन केवल व्यक्तिगत विजय का नहीं बल्कि समाज और धर्म की रक्षा का प्रतीक था।

द्वारका के राजा के रूप में उन्होंने 36 वर्षों तक शासन किया। उनके जीवन में धर्म, सत्य, न्याय, प्रेम, वीरता और करुणा का संतुलन स्पष्ट दिखाई देता है। भगवान श्रीकृष्ण केवल भक्तों को अपने प्रेम और माधुर्य के बंधन में नहीं बांधते बल्कि मोह-माया के बंधनों से भी मुक्त करते हैं। उनके व्यक्तित्व में कुशल नेतृत्व, योग, साहस, नीति और दैवीय गुणों का अद्भुत संगम है। जन्माष्टमी का पर्व हमें स्मरण कराता है कि जीवन में धर्म और न्याय के मार्ग पर चलना ही सर्वोपरि है। श्रीकृष्ण के आदर्श जीवन में हमें यह प्रेरणा मिलती है कि अन्याय और अधर्म के खिलाफ खड़ा होना हर युग का धर्म है। उनका व्यक्तित्व हमें सिखाता है कि प्रेम, मित्रता, भक्ति और करुणा के मार्ग पर चलना जीवन का सर्वोत्तम उद्देश्य है।

भारतीय संस्कृति में श्रीकृष्ण का स्थान केवल देवता का प्रतीक नहीं बल्कि आदर्श मानव और मार्गदर्शक के रूप में भी है। उनके बाल्यकाल, किशोरावस्था और युवावस्था की लीलाओं में जीवन के प्रत्येक आयाम का दर्शन मिलता है। माखन चोरी और गोवर्धन पर्वत उठाना हमें साहस और भक्ति की शिक्षा देता है। रास-लीला और गोपियों के साथ उनके संवाद मानवीय संबंधों और प्रेम की गहनता का प्रतीक हैं। युवावस्था में युद्धभूमि में उनका नेतृत्व और न्याय की स्थापना यह दर्शाता है कि धर्म और कर्त्तव्य के मार्ग पर चलना अनिवार्य है। उनकी शिक्षाओं का सार आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना हजारों वर्ष पूर्व था। जीवन की कठिनाईयों में संतुलन बनाए रखना, मित्रता और करुणा का पालन करना, धर्म की रक्षा करना और आत्मा की उन्नति हेतु भक्ति का मार्ग अपनाना, यही श्रीकृष्ण का संदेश है। उनका जीवन हमें बताता है कि सच्ची भक्ति, अद्भुत नेतृत्व क्षमता और मानवता का संगम ही जीवन का सर्वोत्तम आदर्श है और अधर्म के खिलाफ खड़ा होना, धर्म की रक्षा करना तथा प्रेम, मित्रता और करुणा के मार्ग पर चलना प्रत्येक व्यक्ति का धर्म है। श्रीकृष्ण के आदर्शों को अपनाकर ही हम अपने जीवन और समाज को श्रेष्ठ बना सकते हैं। श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व हमें याद दिलाता है कि जीवन का सार प्रेम, भक्ति, न्याय और धर्म में है। उनके आदर्श जीवन का मार्गदर्शन हैं और उनकी लीलाओं का स्मरण हमें अपने आचरण और जीवन निर्णयों में प्रेरित करता है। भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति और उनके आदर्श भारतीय जनमानस के हृदय में सदैव जीवित रहेंगे।

हवा-पानी की आजादी के बिना आजादी अधूरी

देश एवं दुनिया के सामने स्वच्छ जल एवं बढ़ते प्रदूषण की समस्या गंभीर से गंभीरतर होती जा रही है। शुद्ध हवा एवं पीने के स्वच्छ जल की निरन्तर घटती मात्रा को लेकर बड़े खतरे खड़े हैं। धरती पर जीवन के लिये जल एवं हवा सबसे जरूरी वस्तु है, जल एवं हवा है तो जीवन है। जल एवं हवा ही किसी भी प्रकार के जीवन और उसके अस्तित्व को संभव बनाता है। जीवन के तीन आधार तत्व हैं-हवा, पानी और धरती है। इनकी संरक्षा न केवल हमारी अस्तित्व-निर्भरता से जुड़ी है, बल्कि मानवता की नैतिक जिम्मेदारी भी है। आज का युग, जिस तेजी से विकसित हो रहा है, उसी भागदौड़ में हवा और पानी को परम स्वाधीनता से वंचित कर रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध, दिल्ली का उच्च प्रदूषण सूचकांक, अमेरिका के जंगलों की धुएं से गंदली हवा, बढ़ता वाहन प्रदूषण-ये सब संकेत देते हैं कि हवा से आजादी मतलब ह्यस्वस्थ हवाह्न पाना है। हमारे ह्लआजादीह्व को नया अर्थ चाहिए तो यह प्राकृतिक संसाधनों यानी हवा एवं पानी की आजादी पर भी निर्भर है, जो मानव व पर्यावरण-जगत दोनों के लिए जीवनदायिनी है। स्वतंत्रता का अर्थ केवल राजनीतिक बंधनों से मुक्ति नहीं है, बल्कि जीवन के हर पहलू में सुरक्षित, स्वस्थ और सम्मानजनक अस्तित्व का अधिकार है। 78वें स्वतंत्रता दिवस पर जब हम आजादी का जश्न मना रहे हैं, तब यह सवाल भी उठाना जरूरी है कि क्या हमें हवा और पानी की सच्ची आजादी मिली है?

आजादी केवल तिथि नहीं, एक निरंतर संघर्ष है। यह सिर्फ. झंडा फहराने का अधिकार नहीं, बल्कि हर नागरिक को मूलभूत सुविधाएं, समान अवसर और सम्मान देने की जिम्मेदारी है। हवा, पानी और धरती- इनके बिना जीवन संभव नहीं। पर दुर्भाग्य से आज इन मूलभूत संसाधनों पर गहरा संकट है। स्वच्छ हवा में सांस लेना और शुद्ध पानी पीना अब विलासिता जैसी चीज बनती जा रही है। ह्यहवा-पानी की आजादीह्न का मतलब है कि हर व्यक्ति को स्वच्छ हवा और शुद्ध पानी तक सहज पहुंच हो। यह केवल स्वास्थ्य का ही नहीं, बल्कि मानवता का मूल अधिकार है। परंतु शहरीकरण, औद्योगीकरण और संसाधनों के दुरुपयोग ने हवा और पानी दोनों को विषाक्त बना दिया है। विश्व में 2.2 अरब लोगों के पास सुरक्षित पेयजल की सुविधा नहीं है। भारत में करोड़ों लोग अभी भी दूषित या अपर्याप्त पानी पर निर्भर हैं। रसायनयुक्त कृषि, औद्योगिक अपशिष्ट, प्लास्टिक प्रदूषण और भूजल के अंधाधुंध दोहन ने जल की गुणवत्ता को लगातार गिराया है।

जल संकट भविष्य में सबसे बड़ा युद्ध का कारण बन सकता है। भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ती युद्ध की संभावनाओं का कारण भी जल ही बनता हुआ दिख रहा है। ऑपरेशन सिंधूर के बाद भारत ने पाक पर सिंधु जल समझौते को रद्द कर देने से पाक में जल संकट खड़ा हो गया है, पाक की ओर से परमाणु बम की धमकी दी जा रही है, वहीं भारत भी युद्ध की संभावनाओं को देखते हुए तैयार में जुट गया है। जल संकट केवल भारत और पाक में ही नहीं, दुनिया में एक बड़ी समस्या है। क्योंकि ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, नदियों का प्रवाह घट रहा है, भूजल का स्तर गिर रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण बाढ़, सूखा और भूस्खलन की घटनाएं बढ़ी हैं। आंकड़े बताते हैं कि 2000 से अब तक बाढ़ की घटनाओं में 134 प्रतिशत और सूखे की अवधि में 29 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। धरती का 70 प्रतिशत भाग पानी से भरा है, लेकिन पीने योग्य पानी केवल 3 प्रतिशत है, जिसमें से उपयोगी मीठा जल 1 प्रतिशत से भी कम है। बढ़ती जनसंख्या और बबार्दी ने इस अमूल्य संसाधन को गंभीर संकट में डाल दिया है।

दिल्ली और अन्य महानगरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक लगातार ह्यबहुत खराबह्न या ह्यखतरनाकह्न श्रेणी में पहुंचता है। प्रदूषित हवा श्वसन रोग, हृदय रोग और कैंसर तक का कारण बन रही है। बच्चों और बुजुर्गों पर इसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव पड़ता है। रिसर्च बताती है कि दिल्ली के 75 प्रतिशत से अधिक बच्चों को सांस लेने में कठिनाई होती है, आंखों में जलन और खांसी की शिकायत रहती है। वाहन प्रदूषण, औद्योगिक धुआं, निर्माण गतिविधियों की धूल और फसल अवशेष जलाना-ये सब मिलकर हवा को जहरीला बना रहे हैं।

भारत के पास जल प्रबंधन की प्राचीन परंपरा रही है- तालाब, कुएं, बावड़ियां, जोहड़ और सरोवर जल संरक्षण के अद्भुत उदाहरण हैं। राजस्थान के किलों और गांवों में जल संचयन व्यवस्था आज भी दुनिया के लिए प्रेरणा है। पर्यावरणविद अनुपम मिश्र कहते थे-ह्लअब भी खरे हैं तालाब ह्व आज आवश्यकता है कि हम इन परंपराओं को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़कर जल संकट का समाधान करें। सरकार ने ह्यअटल भूजल योजनाह्न, ह्यनल से जलह्न और ह्यनदी पुनर्जीवनह्न जैसी योजनाएं शुरू की हैं। लेकिन केवल सरकारी प्रयास काफी नहीं, जनभागीदारी आवश्यक है। गांव-गांव में वर्षा जल संचयन, नदियों की सफाई, औद्योगिक अपशिष्ट का प्रबंधन और भूजल संग्रहण की व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए। हवा की शुद्धता के लिए जरूरी है कि सार्वजनिक परिवहन को विश्वसनीय और सुलभ बनाया जाये, इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दिया जाये, औद्योगिक उत्सर्जन पर सख्त नियंत्रण हो, हरित क्षेत्र और वृक्षारोपण को बढ़ाना अत्यंत जरूरी कदम हैं। आजादी का असली मतलब यह है कि सत्ता का केंद्र नागरिक हो, उसकी मूलभूत सुविधाएं हो और उसकी आवाज सिर्फ. चुनावी भाषणों में नहीं, नीतियों और फैसलों में भी सुनी जाए।

आजादी के अमृतकाल में 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाते हुए हमें हवा एवं पानी की आजादी के लिये संकल्प लेना होगा। वायु-जल संसाधनों पर गहराते संकट को खत्म करने के लिए अपनी जीवन-शैली में परिवर्तन करना होगा। इसके लिए सभी लोगों को बच्चे-बूढ़े, स्त्री-पुरूष, किसान, उद्यमियों सभी को पहल करनी है। पानी को बचाने एवं हवा की शुद्धि की आदत को व्यवहार में ढालना होगा। हवा में घूल रहा प्रदूषण भी खतरनाक होता जा रहा है। भू-विज्ञान मंत्रालय के एक रिसर्च के अनुसार वायु निर्माण में 41 प्रतिशत हिस्सेदारी वाहनों की रहती है। भवन निर्माण आदि से उड़नेवाली धूल 21.5 प्रतिशत के दूसरे स्थान पर है। दिल्ली परिवहन विभाग के आंकड़े के मुताबिक पिछले 30 साल में वाहन और उनसे होने वाला प्रदूषण तीन गुणा बढ़ गया है। फिर भी सार्वजनिक यातायात व्यवस्था को बेहतर और विश्वसनीय बनाने की दिशा में कुछ खास नहीं किया गया। इस विषम एवं ज्वलंत समस्या से मुक्ति के लिये हर राजनीतिक दल एवं सरकारों को संवेदनशील एवं अन्तर्दृष्टि-सम्पन्न बनना होगा। खेती में प्रदूषकों की रोकथाम से जल संसाधनों के संकट और पारिस्थिकी तंत्र में बदलाव के संकट को कम किया जा सकता है। नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को नियमित करके समस्या को काफी हद तक सुलझाया जा सकता है। उपलब्ध जल संसाधनों तक उपभोग को सीमित करके, संसाधन पर दवाब कम किया जा सकता है।

आज हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र हैं, हमारी अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है, विज्ञान और तकनीक में नए मुकाम हासिल हो रहे हैं। मेट्रो ट्रेन, डिजिटल पेमेंट, सैटेलाइट मिशन और वैश्विक मंच पर बढ़ता प्रभाव हमें गर्व से भर देता है। लेकिन इस चमक के पीछे एक सच छुपा है-हमारी आजादी अब भी अधूरी है। यह अधूरापन केवल गरीबी या बेरोजगारी का नहीं, बल्कि शुद्ध हवा-पानी जैसी मूलभूत जरूरतों से जुड़ी सोच, व्यवस्था और व्यवहार में गहरे बैठी असमानताओं का है। हमने अंग्रेजी शासन से मुक्ति पाई, लेकिन अगर हमारे बच्चे दूषित हवा में सांस लें और जहरीला पानी पिएं, तो यह कैसी आजादी है? आजादी का वास्तविक अर्थ तभी होगा जब हर नागरिक को स्वच्छ हवा और शुद्ध पानी मिले। 78वां स्वतंत्रता दिवस केवल झंडा फहराने और भाषण देने का नहीं, बल्कि जीवनदायिनी संसाधनों की रक्षा का संकल्प लेने का अवसर है। अपने घर, मोहल्ले और कार्यस्थल पर पानी बचाने की आदत डालें। प्लास्टिक का उपयोग कम करें। वर्षा जल संचयन करें। प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों का विरोध करें। वृक्षारोपण को जीवन का हिस्सा बनाएं। क्योंकि हवा और पानी की आजादी ही जीवन की सच्ची आजादी है।

कार्यालय नगर पंचायत जोया जनपद अमरोहा

समस्त क्षेत्र व देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अपील

सभी नगर वासियों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं एवं निम्नलिखित अपील की जाती है

1. करों की अदायगी समय से करें, पानी की टोटियां खुली न छोडे।
2. सड़कों पर अतिक्रमण न करें, बिना मानचित्र स्वीकृत कराये भवनों का निर्माण न करें।
3. जन्म—मृत्यु का पंजीकरण 21 दिनों के भीतर अवश्य करायें।
4. पालीथिन की थैलियों एंव सिंगल यूज प्लास्टिक की पत्रियों का उपयोग न करें।
5. डोर—टू—डोर कूड़ा कलेक्शन वाहन को गीला एंव सूखा कूड़ा अलग—अलग कर सफाई कर्मियों को देकर सहयोग करें।
6. सभी नगरवासी होम कम्पोस्टिंग करें।

जुबैर अहमद, अध्यक्ष
नगर पंचायत जोया

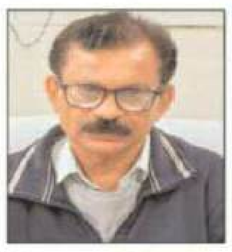
विपिन कुमार सिंह संगर
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत जोया

नदीम अख्तर
जिला कार्यक्रम
नगर पंचायत जोया

विजय प्रसाद शर्मा
स्वच्छता प्रभारी
नगर पंचायत जोया

उजैर अहमद, प्रबंधक
नगर स्वच्छता प्रेरक
नगर पंचायत जोया

सभासदगण—वीरवती सैनी, मंगेश देवी, मुगीस अहमद, हाजी अताउर्रहमान, मौ. दानिश रफीक अहमद, इरशाद परवीन असरफी बैगम, जायदा खातून, मौ. वाजिद उर्फ लल्लन, भूरा व नसीम उर्फ भूरा।

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

प्रवीण अग्रवाल
(अध्यक्ष)
नगर पालिका धनौरा

अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद धनौरा अमरोहा

अवधेश कुमार वर्मा
अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका धनौरा

स्वतन्त्रता दिवस 2025 के शुभ अवसर पर नगर के सभी नागरिकों से अपील:- पालिका अच्छी नागरिक सुविधाओं के लिए नंगर के सभी नागरिकों से निम्न अपेक्षा करती है।

1. नगर आपका है इसे साफ सुन्दर बनाये रखने में सहयोग दे, सड़को पर कूड़ा न फैलायें।
2. पानी बहुमूल्य है इसकी बचत करें, जल बचाये जल ही जीवन है।
3. अधिक से अधिक संख्या में वृक्षारोपण करें।
4. परिवार में हुये जन्म अथवा मृत्यु का पंजीकरण पालिका में यथाशीघ्र करायें।
5. पर्यावरण की दृष्टि से वृक्षारोपण अवश्य करायें, पालिथीन का उपयोग न करें।
6. पालिका के सभी करों एवं शुल्कों का नियमित रूप से भुगतान करें।
7. स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 में पालिका का सहयोग करें।

निवेदक:- नगर पालिका परिषद- धनौरा (अमरोहा)

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

कुलदीप सिंह चौहान (दिल्ली प्रदेश सलाहकार)
आर डी एच फाउंडेशन

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

मनोज चौहान (दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष)
आर डी एच फाउंडेशन

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

मोहित सिंह (उप राष्ट्रीय सचिव)
आर डी एच फाउंडेशन

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

मोनू चौहान (प्रदेश उपाध्यक्ष उत्तर प्रदेश)
आर डी एच फाउंडेशन

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अशोक सिंह (राष्ट्रीय निर्देशक)
आर डी एच फाउंडेशन

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

बरन सिंह (राष्ट्रीय निर्देशक)
आर डी एच फाउंडेशन

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

वर्षा (महिला प्रदेश उपाध्यक्ष)
उत्तर प्रदेश आर डी एच फाउंडेशन

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

डॉक्टर राजेंद्र सिंह (जिला अध्यक्ष)
बागपत आर डी एच फाउंडेशन

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

जयंती सिंह (महिला जिला अध्यक्ष)
मेरठ आर डी एच फाउंडेशन

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

जितेंद्र शर्मा (जिला अध्यक्ष)
गौतमबुद्ध नगर आर डी एच फाउंडेशन

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

कैलाश सिंह (राष्ट्रीय निर्देशक)
आर डी एच फाउंडेशन

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

मांगें सिंह (राष्ट्रीय निर्देशक)
आर डी एच फाउंडेशन

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

पूनम चौहान (महिला प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष)
बुलंदशहर आर डी एच फाउंडेशन

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

प्रेमचंद सिंह (जिला अध्यक्ष)
गाजियाबाद आर डी एच फाउंडेशन

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

रीना राजपूत (प्रदेश महिला अध्यक्ष)
उत्तर प्रदेश आर डी एच फाउंडेशन

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

रितु राजपूत (ग्राम अध्यक्ष)
आर डी एच फाउंडेशन

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

रोहित राजपूत उप राष्ट्रीय अध्यक्ष
आर डी एच फाउंडेशन

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
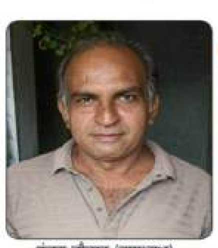
संजय चौहान (उपाध्यक्ष)
पश्चिमी उत्तर प्रदेश
मेरठ मंडल आर डी एच फाउंडेशन

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

सरिता देवी (महिला उपाध्यक्ष)
मेरठ मंडल आर डी एच फाउंडेशन

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

सरव सिंह
आरडीएच फाउंडेशन राष्ट्रीय सलाहकार

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

सतपाल सिंह (जिलाध्यक्ष)
हापुड आर डी एच फाउंडेशन

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

सविता प्रजापति
(महिला प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष)
मेरठ मंडल आर डी एच फाउंडेशन

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

सुन्दरी शर्मा (जिला महिला अध्यक्ष)
बागपत आर डी एच फाउंडेशन

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

विजेंद्री देवी (महिला जिलाध्यक्ष)
हापुड आर डी एच फाउंडेशन

कृषि वैज्ञानिकों द्वारा त्रिवेणी चीनी मिल क्षेत्र में कीट व्याधियों से ग्रसित गन्ना फसल एवं बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों का किया गया भ्रमण

रहरा/अमरोहा (सब का सपना) मनोज शर्मा:- त्रिवेणी चीनी मिल चन्दनपुर के परिक्षेत्र का उत्तर प्रदेश गन्ना शोध संस्थान, शाहजहाँपुर से आये कृषि वैज्ञानिक डॉ० अरविन्द कुमार सिंह तथा डॉ० अनिल कुमार सिंह द्वारा गन्ने की फसल में लगने वाले कीट, बीमारियों एवं बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया गया । गतवर्ष गन्ने की फसल में कीट बीमारियों के अधिक आपतन के कारण गन्ना विभाग पूर्व से सचेत है और इसके निदान हेतु लगातार निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में अपर मुख्य सचिव, उ.प्र. लखनऊ के निदेशी के क्रम में उप गन्ना आयुक्त, मुरादाबाद द्वारा गठित वरिष्ठ वैज्ञानिक, विभाग एवं चीनी मिल के अधिकारियों की संयुक्त टीम के द्वारा चीनी मिल क्षेत्र चन्दनपुर का भ्रमण किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य गन्ना फसल में कीट व्याधियों व बाढ़ से होने वाले नुकसान का समयान्तर्गत निरीक्षण करते हुए गन्ना फसल को सम्भावित नुकसान से बचाया जा सके। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश गन्ना शोध संस्थान, शाहजहाँपुर के कृषि वैज्ञानिक डॉ० अरविन्द कुमार सिंह तथा डॉ० अनिल कुमार सिंह द्वारा गन्ना विकास परिषद के ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक, श्री हरिमोहन त्रिपाठी, चीनी मिल चन्दनपुर के महाप्रबन्धक श्री आर. एस. सहरावत, सहायक गन्ना महाप्रन्धक श्री संजीब मलिक तथा विभागीय एवं चीनी मिल के सुपरवाइजरो के साथ मिलकर चीनी मिल परिक्षेत्र के ग्रामों गंगवार, शकरगढ़ी, पिपलोतीकलॉ, पिपलोतीखुर्द, सिरसागूजर, जयतोली, रूखालू, गंगानगर, मेहरपुर, जेबड़ा, शहबाजपुरगूजर, जल्लोपुर, नानई, देहरीगूजर, छपना, चन्दनपुर का भ्रमण किया गया जिसमें कई ग्रामों में को. 0238 गन्ना प्रजाति की पेड़ी फसल में रेडरॉट से ग्रसित के साथ-साथ अन्य कीटों का भी छुट-पुट आपतन दिखाई दिया है। वैज्ञानिकों द्वारा बताया गया कि इस वर्ष वर्तमान में गन्ना फसल अच्छी प्रतीत हो रही है परन्तु कीट व्याधियों से सुरक्षा करना नितान्त आवश्यक है जिसके समाधान हेतु बताया कि रेडरॉट से प्रभावित क्लम्पो को उखाड़कर नष्ट कर दें, जला दें तथा उखाड़े गये स्थान पर ब्लीचिंग पाउडर डालते हुए मिट्टी से दवा दें तथा ट्राइकोडरमा का प्रयोग करें। इसके अतिरिक्त चीनी मिल क्षेत्र के बहुत बड़े हिस्से में जो गंगा नदी में आई बाढ़के कारण लगभग 4200 हैक्टे0 की गन्ना फसल जलमग्न है तथा अधिक जल प्रभाव होने की वजह से कटान हो रहा है और यदि यही स्थिति आगे भी बनी रहती है तो गन्ना फसल में अत्यधिक नुकसान की सम्भावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। इस सम्बन्ध में कृषि वैज्ञानिको द्वारा कृषकों को सुझाव दिये कि बाढ़ से प्रभावित खेतों में यथासंभव जेल निकासी करें, यदि गन्ने की बंधाई नही की है तो बंधाई अवश्य करें, कार्बन्डाजिम एवं कॉपर ऑक्सीक्लोराइड का 2 ग्राम/ली. का घोल बनाकर स्प्रे करें, जल विलय उर्वरक एन.पी.के. 19:19:19 का स्प्रे 2 कि.ग्रा. प्रति एकड़ की दर से करें। साथ ही गठित टीम द्वारा किसानों से यह भी अपील की कि यह प्राकृतिक आपदा है इसमें सभी लोग धैर्य से काम लें तथा आगामी शरदकालीन गन्ना बुवाई में को0238 गन्ना प्रजाति के स्थान पर अधिक से अधिक क्षेत्रफल में बीज व भूमि शोधन करते हुए उन्नतशील प्रजातियां जैसे को. 118, को. 15023, को. 98014, को लख 14201, कोशा 13235 की बुवाई करें।

आजादी का अमृत महोत्सव' के तहत गजरौला थाना पुलिस ने निकाली तिरंगा रैली

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- थाना गजरौला पुलिस ने आजादी का अमृत महोत्सव के तहत बुधवार को तिरंगा रैली का आयोजन किया। गजरौला थाना प्रभारी अखिलेश प्रधान के नेतृत्व में पुलिसकर्मियों ने थाना क्षेत्र के सम्मानित नागरिकों और सामाजिक कार्यकताओं के साथ मुख्य बाजार में यात्रा निकाली। बता दें कि रैली में शामिल पुलिस कर्मियों एवं अन्य लोगों ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लिए सभी ने 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम' और 'जय हिंद' के नारे लगाए। पुलिस ने लोगों को हर घर तिरंगा अभियान का महत्व समझाया। इस दौरान स्वतंत्रता संग्राम में वीर सेनानियों के बलिदान को याद किया गया। इस दौरान थाना प्रभारी ने कहा कि यह अभियान राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान का प्रतीक है। यह देश की एकता और अखंडता को मजबूत करता है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे 15 अगस्त पर अपने अपने घरों पर तिरंगा फहराएं और इस ऐतिहासिक अवसर में हिस्सा लें।

तीन दिन पूर्व हुई हत्या का पुलिस ने किया खुलासा

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में हुई 03 दिन पूर्व कलाकार आशीष की हत्या का पुलिस ने खुलासा करते हुए 03 हत्यारोपियों को गिरफ्तार करते हुए पूरे मामले का खुलासा किया है मृतक आशीष कलाकार की हत्या किसी औढ़ ने नही की ब्लकि उसके ही दोस्त बंटी ने सुपारी देकर दो दोस्तों के संग मिलकर 50 हजार में शराब पिलाकर आशीष को मौत के घाट उतार दिया था पुलिस ने महज 03 दिनों में पुरे मामले का पदार्फाश करते हुए मुख्य आरोपी बंटी उसके दोस्त सुपारी किलर बिट्ठू व नरेश को गिरफ्तार कर लिया एसपी ने पूरे मामले का खुलासा करते हुए तीनों आरोपियों को न्यायालय पेश कर जेल भेज दिया है। जनपद के हसनपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम करनपुर के जंगल में बीती 11 अगस्त को एक अज्ञात युवक का शव खेत में मिला था। सूचना पर पुहंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम में भेज दिया था। शिनाख्त में मृतक आशीष सम्भल जिले का रहने वाला था। मृतक झांकियों में फीमेल कलाकारी करता था जिससे उसके साथी बंटी से अवैध सम्बन्ध भी थे। पिछले 06 महीनों से मृतक ने बंटी से दूरी बना ली थी औढ़ किसी भी तरह के सम्बन्ध नही रखता था औढ़ ना ही उसके साथ झांकियों में कार्यक्रम करने जाता था औढ़ बंटी को मिलने बूकिंग में भी अन्य दोस्तों से काम करने को मना करता था जिसके चलते बंटी औढ़ मृतक आशीष में कहासुनी और विवाद भी हो गया था।बंटी ने मृतक आशीष की हत्या करने की प्लानिंग करके उसकी अपने दोस्तों को 50 हजार रुपयें में सुपारी दे दी। बंटी अमरोहा में किसी कार्यक्रम से वापस जा रहा था तो हसनपुर क्षेत्र में फोन पर बुलाकर उसे शराब पीला दी शराब के नशे मे थ्री विलर से एक जंगल में ले गये जहां बंटी ने अपने दोस्तों संग बिट्ठू व नरेश ने मिलकर रस्सी से गला घोंट कर मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने पूरे मामले का सर्विलांस की मदद से खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी समेत तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

गजरौला में भाजपा नेता ने कार्यकताओं व समर्थकों संग बाइक पर निकाली तिरंगा यात्रा रैली

भाजपा नेता डॉ सोरन सिंह चौधरी के नेतृत्व में हुआ रैली का आयोजन

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नगर में भाजपा नेता डॉक्टर सोरन सिंह चौधरी ने स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पूर्व विशाल तिरंगा यात्रा भाजपा कार्यकताओं व समर्थकों के साथ मिलकर निकाली। तिरंगा यात्रा को भाजपा नेता के आवास से भाजपा जिलाध्यक्ष उदय गिरी गोस्वामी और डॉक्टर सोरन सिंह ने हरि झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान तमाम भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और भारी संख्या में समर्थक मौजूद रहे। तिरंगा यात्रा हाईवे स्थित भाजपा नेता के आवास से शुरू हुई और धनौरा और बछरायूं थाना इलाके के कई गांवों से होकर गुजरी। इस दौरान सैंकड़ों बाईकों पर युवा हाथों में तिरंगा झंडा लेकर और भारत माता की जय के नारे लगाते हुए दिखाई दिए। गुरुवार को भाजपा के भाजपा नेता डॉक्टर सोरन सिंह के नेतृत्व में निकली भव्य तिरंगा यात्रा ने पूरे जिले को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। यात्रा का शुभारंभ गजरौला स्थित सोरन सिंह के आवास से हुआ, जिसे भाजपा जिला अध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।तिरंगा यात्रा करीब 15 गांवो के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए जोश और उत्साह के साथ आगे बढ़ी। रास्ते भर ह्लवंदे मातरम्ह्व और ह्लभारत माता की जयह्व के गगनभेदी नारे गूंजते रहे। हर घर तिरंगा, भारत एक संकल्प का संदेश देते हुए यह बछरायूं क्षेत्र मे जाकर संपन्न हुई। लोगों के हाथों में लहराता तिरंगा और देशभक्ति से भरे चेहरे इस बात का प्रतीक थे कि अमरोहा की जनता स्वतंत्रता और एकता के भाव से ओत-प्रोत है। गांव तिरंगे के रंगों में सराबोर रहा और हर किसी के दिल में देश के प्रति गर्व की लहर दौड़ गई।

जनपद की 103 ग्राम पंचायतों में बनेंगी डिजिटल लाइब्रेरी

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में डिजिटल लाइब्रेरी बनाए जाने के सम्बन्ध में गठित समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद की 103 ग्राम पंचायतों में डिजिटल पुस्तकालय (बाल एवं किशोर पुस्तकालय) की स्थापना की जानी है। जिलाधिकारी ने ग्राम पंचायतों में डिजिटल पुस्तकालय की स्थापना हेतु चयनित 103 ग्राम पंचायतों के सापेक्ष 10 ग्राम पंचायतों में परिवर्तन किया गया (जों आबादी सें अधिक दूर थे/ पंचायत सचिवालय की स्थिति सही नहीं होना आदि के कारण ग्राम पंचायतों में परिवर्तन किया गया। पुस्तक चयन समिति द्वारा 878 किताबों की सूची समिति को उपलब्ध कराई गई जिस पर जिलाधिकारी द्वारा NBT कों पुस्तकें उपलब्ध कराने हेतु आदेश जारी करने के लिए निर्देशित किया गया साथ ही जेम पोर्टल के माध्यम सें फर्नीचर क्रय हेतु रुपये 70000 की धनराशि प्रति ग्राम पंचायत की प्रक्रिया कों तेज गति लाने हेतु निर्देशित किया गया। जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि ग्राम पंचायत स्तर पर डिजिटल पुस्तकालय (बाल एवं किशोर पुस्तकालय) स्थापित किये जाने हेतु दिशा-निर्देश निर्गत किये गये हैं। जिसमें जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद की 103 ग्राम पंचायतों में डिजिटल पुस्तकालय (बाल एवं किशोर पुस्तकालय) की स्थापना प्रथम चरण में की जानी है, जिसमें विकास खंडों की ग्राम पंचायतों में डिजिटल पुस्तकालय की स्थापना की जानी है, जिस हेतु प्रति डिजिटल पुस्तकालय की स्थापना हेतु 04 लाख रुपए की धनराशि शासन से अवमुक्त की जानी है, जिसमें 02 लाख रुपए में से 01.30 लाख रुपए कम्प्यूटर (यू०पी० डेस्को के माध्यम से) आदि उपकरण हेतु तथा 70.00 हजार रुपए फर्नीचर (जैम पोर्टल के माध्यम से) के क्रय हेतु

तथा शेष 02 लाख रुपए में से 90 हजार रुपए की एन०बी०टी० से किताबें क्रय की जायेंगी एवं 90 हजार रुपए की अन्य प्रकाशन की किताबें क्रय की जायेंगी तथा शेष 20 हजार रुपए से डिजिटल कन्टेन्ट पर्चेज किया जाना था। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी न्यायिक धीरेन्द्र प्रताप सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसौदिया सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जल शक्ति अभियान कैच द रैन प्रोग्राम की समीक्षा बैठक का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना) :- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में जल शक्ति अभियान कैच द रैन प्रोग्राम की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। जिसमे जल संरक्षण के कार्यो से संबंधित समस्त विभाग उपस्थित रहे । सहायक अभियंता(लघु सिंचाई)/नोडल अधिकारी द्वारा समस्त विभागों द्वारा पोर्टल पर फीड किए गए रेन वाटर हार्वेस्टिंग कार्यो/वाटर बॉडीज की प्रगति के संबंध विभागवार अवगत कराया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि पोर्टल पर फीड किए गए रेन वाटर से संबंधित कोई समस्या है तो उसको संबंधित विभाग से जानकारी लेकर ठीक से फीडिंग करें। उन्होंने सख्त निर्देश दिए की रीडिंग में कोई भी डुप्लीकेशन नहीं होना चाहिए यदि किसी ने डुप्लीकेशन किया तो उसके खिलाफ शासन द्वारा जिम्मेदारी तय की जाएगी उन्होंने कहा कि उक्त कार्य के समीक्षा के लिए भारत सरकार के नोडल अधिकारी समीक्षा करते हैं यदि उनको डुप्लीकेशन की शिकायत प्राप्त हुई तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ आवश्यक कार्यवाही की जाएगी तब यह माना जाएगा कि वह अधिकारी फील्ड में रहने लायक नहीं है। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि आप सभी अपने कार्य को अच्छे से करेंगे और उचित प्रकार फीडिंग का कार्य करेंगे कोई भी गलती नहीं होनी चाहिए इस बात का विशेष ध्यान दे। बैठक में उप निदेशक कृषि, अधिशासी अभियंता जल निगम, अधिशासी अभियंता भूगर्भ जल विभाग, जिला उधान अधिकारी, उप प्रभागीय वनाधिकारी, जिला कृषि अधिकारी एवं क्षेत्रिय अधिकारी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड उपस्थित रहे।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस अभिलेखीय प्रदर्शनी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमो का किया गया भव्य आयोजन

अमरोहा (सब का सबसे):- जिले में हर घर तिरंगा अभियान के तहत कुंदन मॉडल इंटर कॉलेज अमरोहा में भारत विभाजन विभीषिका दिवस के अवसर पर विभाजन विभीषिका प्रदर्शनी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद और मुख्य विकास अधिकारी सहित अन्य अतिथियों ने सूचना विभाग अमरोहा द्वारा लगाई गई अभिलेखीय प्रदर्शनी का भ्रमण कर गंभीरता से अवलोकन किया। तत्पश्चात जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स, नगर पालिका परिषद अमरोहा अध्यक्षा शशि जैन एवं मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र द्वारा द्वारा भारत विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्वलित किया।

भारत विभाजन विभीषिका पर राजकीय बालिका इंटर कॉजेल, अमरोहा द्वारा सरस्वती वन्दना, शर्मा देवी इंटर कॉलेज द्वारा ऑपरेशन सिन्दूर, कस्तूरबा गांधी विद्यालय अमरोहा द्वारा नाटक, हिल्टन कान्वेंट पब्लिक स्कूल द्वारा विभाजन विभीषिका पर नाटिका एवं लिटिल स्कालर्स पब्लिक स्कूल द्वारा प्ले एक्ट एण्ड डान्स, श्रीरामचन्द्र बत्री हाईस्कूल, अमरोहा द्वारा एकल नृत्य एवं अकबरूद्दीन एवं वंशिका उनकी टीम द्वारा आत्मरक्षा प्रस्तुति से संबंधित सांस्कृतिक कार्यक्रमो नुक्कड़ नाटक एवं ताईक्वांडो की मनमोहक एवं देशभक्ति से ओतप्रोत प्रस्तुतियां दी गई। जिलाधिकारी ने अपना संबोधन शुरू करते हुए बच्चों से आह्वान करते हुए कहा कि हम लाए हैं तूफान से कश्ती निकालकर, इस देश को रखना मेरे बच्चों संभाल कर ।ह्व उन्होंने कहा कि विभाजन एक पीढ़ी का नहीं था, दर्द गहरा है इस दर्द को कभी बुलाया नहीं जा सकता। याद करें उन लोगों को जिन्होंने इस त्रासदी को झेला। यह विस्थापन दुनिया का सबसे बड़ा विस्थापन था। 1947 के विस्थापन के साथ बहुत जाने गयीं। उन्होंने कहा कि हमने आज प्रदर्शनी में देखा विस्थापन के दौरान जिसको जो मिला लेकर चल दिए। आज के समय में भी यह विभीषिका दर्द देती है। इससे हमें एकता और भाईचारे की सीख लेनी चाहिए। विविधता ही देश की आत्मा है, मिलजुल कर रहने की सीख देती है।

जिलाधिकारी ने कहा कि विभाजन शब्द ही बताता है कि यह पीड़ा दायक होगा। एक परिवार के विभाजन होने पर लोग कितना परेशान हो जाते हैं लोगों को पीड़ा होती है यह तो देश का विभाजन था। भारत देश का विभाजन बहुत ही भयावह था। देश के विभाजन का जो निर्णय हुआ है वह बहुत कष्टप्रद था। रैड क्लिफ ने जो लाइन खींची थी उसने देश को तोड़ कर रख दिया था। उन्होंने बच्चों से आह्वान किया कि बच्चों आप सब विभाजन विभीषिका की प्रदर्शनी का अवलोकन करें तब आपको ज्ञात होगा कि विभाजन से कितना दर्द होता है कितनी तकलीफों से गुजरना पड़ता है। उन्होंने कहा कि हम सबको आपसी सौहार्द के साथ अपने देश के निर्माण के लिए आगे बढ़ाना है और देश की तरक्की के साथ-साथ इसकी रक्षा के लिए सतत समर्पित रहना है। नगर पालिका परिषद अमरोहा अध्यक्षा श्रीमती शशि जैन जी ने कहा आज इस कार्यक्रम के जरिए हम विभाजन के दर्द को महसूस कर सकते हैं। सोचो बंटवारे का दर्द क्या रहा होगा, छूटे हुए घर कितना भयानक मंजर रहा होगा। हमें उन महान आत्माओं को श्रद्धांजलि देनी चाहिए, जिन्होनें इस दंश को झेला है। कहा कि विभाजन के दौरान जो अपूर्णीय क्षति हुई इतिहास में कभी नहीं हुई। नफरत, हिंसा, आगजनी की वजह से हमारे लाखों बहिनों और भाईयों को विस्थापित होना पड़ा और अपनी जान तक गवानी पड़ी। मा0 प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से लोगों के संघर्ष एवं बलिदान की याद में 14 अगस्त को ह्यह्यविभाजन विभीषिका स्मृति दिवसह्लह्ल के तौर पर मनाया जा रहा है, ताकि इस दौरान प्राणोत्सर्ग करने वालों को श्रद्धांजलि दी जा सके। उन्होनें कहा कि सबका साथ सबका विकास सबका प्रयास के लक्ष्य पर आगे बढ़े और देश की तरक्की में सहयोग प्रदान करें। और भारतवासी मिलकर देश की उन्नति को आगे ले जाए और अपने महान क्रांतिकारियों के बलिदान को न भूले। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने कहा कि भारत का विभाजन एक भीषण मानवीय त्रासदी थी। जिसमें करोड़ों लोगों का पलायन हुआ, खेत छूटे, जमीन छूटी, घर छूटा और पहचान छोड़कर जाना पड़ा। आज जरूरत है हम इस विभाजन को याद करें और सीख लें ताकि आने वाली पीढ़ियां ये जान सके कि विभाजन का दंश क्या होता है। उन्होंने कहा कि धर्म, जाति और सरहदें देश से बड़ी नहीं होती इसलिए आपस में एक होकर रहे और राष्ट्र को मजबूत बनाएं। मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने विभाजन हमेशा आपसी लड़ाई से होता है हम जाति धर्म रंग रूप क्षेत्र आदि के पीछे लड़ते हैं और इसका परिणाम यह होता है कि कोई तीसरा व्यक्ति आकर हमारे बीच दरार उत्पन्न कर विभाजन कर देता है उन्होंने कहा कि हमें विभाजनकारी शक्तियों से दूर रहना है और देश को एक अखंड राष्ट्र बनाना है। मुख्य विकास अधिकारी श्री अश्विनी कुमार मिश्रा जी ने कहा कि भारत का विभाजन 14 अगस्त को हो गया इसके यह बहुत ही दर्दनाक ही घटना थी जिसमें लाखों लोगों को विस्थापित होना पड़ा पलायन करना पड़ा। भारत के विभाजन से हमारी विरासत का बंटवारा हो गया इससे यह ज्ञात होता है कि एक छोटी सी घटना पर देश और समाज को कितना संघर्ष झेलना पड़ता है देश कितना पीछे चला जाता है विकास के रास्ते किस प्रकार बंद हो जाते हैं। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा जब देश में अंग्रेजी हुकूमत से निजात मिल रही थी तब एक बहुत बड़ा दर्द मिला जो दर्द था विभाजन का। जिसका दर्द भारत के सभी भारतवासियों ने दंश झेला। उन्होंने कहा उससे पूर्व भी विभाजन हुए हैं जैसे अफगानिस्तान, वर्मा, नेपाल का विभाजन भौगोलिक स्थिति के आधार पर हुआ था। किंतु भारत का यह विभाजन से देश के लोगों को सांस्कृतिक, सामाजिक, आर्थिक दंश आजादी के अवसर पर झेलना पड़ा। लाखों लोगो की जाने गई। हमें आने वाली पीढ़ी को विभाजन का दर्द का पता चले और आपसी एकता मजबूत हो इसलिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है कार्यक्रम के अन्त में विभाजन के समय अपने प्राण गंवाने वालों की शान्ति के लिये में 02 मिनट का मौन धारण कर उन्हे नमन किया गया। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी सरिता द्विवेदी, पीडी डीआरडीए अम्बरीष कुमार जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 प्रवेश कुमार, जिला सूचना अधिकारी मो0 दानिश, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद डॉ0 बृजेश कुमार सहित अन्य अधिकारी और बड़ी संख्या में विद्यालय के छात्र-छात्राएं, शिक्षकगण और नागरिकगण उपस्थित रहे।

मतदाता सूची से हटाए गए 65 लाख लोगों के नाम चुनाव आयोग करेगा जारी, खत्म होने को एसआईआर विवाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में मतदाता सूची से हटाए गए 65 लाख लोगों के नाम चुनाव आयोग अब जारी करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में वोटर लिस्ट के एसआईआर के खिलाफ दर्ज याचिकाओं पर सुनवाई कर यह आदेश दिया। बेंच ने कहा कि आयोग 19 अगस्त तक उन 65 लाख लोगों के नाम उजागर करे, जिन्हें वोटर लिस्ट से हटाया गया है। इसके अलावा 22 अगस्त तक आदेश के पालन की रिपोर्ट भी सौंपे। सुनवाई के दौरान निर्वाचन आयोग ने मृत, जिला स्तर पर पलायन कर चुके या दूसरे स्थानों पर जा चुके मतदाताओं की सूची साझा करने पर सहमति जाहिर की।

अगली सुनवाई अदालत में अब 23 अगस्त को होगी। बेंच ने कहा कि जिन लोगों के नाम गलत तरीके से हटे हैं, उन्हें सुनवाई के लिए 30 दिन का मौका मिलेगा। इसके अलावा आयोग बताएगा कि इन लोगों के नाम क्यों लिस्ट से हटाने का फैसला हुआ है। यदि किसी को आपत्ति होगी,

तब वह संपर्क करेगा और जरूरी दस्तावेज देने के बाद उनके नामों को शामिल किया जा सकेगा।

अदालत ने कहा कि आप वेबसाइट और स्थान के विवरण के लिए सार्वजनिक नोटिस जारी करने पर विचार करें, जहां लोगों (मृत, पलायन कर चुके या दूसरे स्थानों पर चल गए) की जानकारी साझा की जा सके। इस पर चुनाव आयोग ने बताया कि हमारे द्वारा राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं को मृत, पलायन कर चुके या दूसरे स्थानों पर चले गये लोगों के नामों की सूची दी थी। इस पर अदालत ने सख्त रुख अपनाया। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉय बागची की बेंच ने कहा कि हम नहीं चाहते कि नागरिकों के अधिकार राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं पर निर्भर रहें।

बेंच ने कहा कि मृत, पलायन कर चुके या दूसरे स्थानों पर गए मतदाताओं के नामों को नोटिस बोर्ड या वेबसाइट पर प्रदर्शित करने से अनजाने में हुई त्रुटियों को सुधारने का मौका मिलेगा। आयोग ने कहा कि राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं को मृत, पलायन कर चुके या दूसरे स्थानों पर चले गये लोगों के नामों की सूची दी गई है। बेंच ने कहा कि आप इन नामों को नोटिस बोर्ड या वेबसाइट पर क्यों नहीं डाल सकते? जिन्हें दिक्कत है वह लोग 30 दिन के भीतर सुधारात्मक उपाय कर सकते हैं। इस पर आयोग ने कहा कि बिहार में एक मोटे अनुमान के मुताबिक करीब 6.5 करोड़ लोगों को एसआईआर के लिए कोई दस्तावेज जमा करने की आवश्यकता नहीं है।

सपा ने पीडीए के नाम पर झूठ बोलाः सीएम योगी

मुलायम के बाद शिवपाल का नंबर था, पर चाचा गच्चा खा गए

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा में विजन 2047 पर 24 घंटे से अधिक चली ऐतिहासिक चर्चा का समापन करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कहा कि भारत विकसित तब बनेगा, जब हर राज्य अपनी भूमिका निभाएगा और इसमें उत्तर प्रदेश सबसे आगे रहेगा। मुख्यमंत्री ने सत्ता पक्ष और विपक्ष के 187 विधायकों का आभार व्यक्त किया और कहा कि सभी ने गंभीरता और रुचिपूर्ण ढंग से बहस को सार्थक बनाया। उन्होंने कहा कि 24 घंटे से अधिक चली यह चर्चा लोकतंत्र की शक्ति और सदस्यों की गंभीरता का प्रमाण है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश केवल देश का सबसे अधिक जनसंख्या वाला राज्य ही नहीं, बल्कि भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत का ध्वजवाहक भी है। उत्तर प्रदेश सिर्फ बड़ी आबादी वाला राज्य नहीं, यह भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक ऊर्जा का केंद्र बिंदु है। मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि 2023 में लखनऊ में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के उद्घाटन के समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि उत्तर प्रदेश दुनिया के लिए ब्राइट स्पॉट है तो उत्तर प्रदेश भारत की ग्रोथ का ड्राइविंग फोर्स बनेगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकांश सदस्य इस चर्चा में अपने विचार और विजन को रखना चाहते थे, लेकिन समय और संसाधनों की सीमाओं को देखते हुए हमें चर्चा को आगे बढ़ाना है। इससे संबंधित व्यापक कार्यनीति तैयार करनी है और समाज से जुड़े सभी हितधारकों तक जाना है। उनसे बातचीत के बाद, एक विस्तृत चर्चा कर, सेक्टर-वार मुद्दों पर हम फिर सदन में आएंगे। यह चर्चा उन लोगों के लिए भी आंखें खोलने वाली है जो विधायिका और सदस्यों के आचरण पर उंगली उठाते हैं। प्रदेश और देश के लिए जब भी आवश्यकता पड़ी, हम सभी ने अपना योगदान दिया है और आगे भी देते रहेंगे। हम सबका सौभाग्य है कि देश अपनी आजादी के अमृतकाल में प्रवेश कर रहा है। स्वतंत्रता के 78 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। यह यात्रा आत्मावलोकन का अवसर है। मैं कई अवसरों पर इस 24 घंटे की चर्चा का हिस्सा बना। मैंने देखा कि सत्ता पक्ष, विपक्ष और अन्य सभी माननीय सदस्यों ने इसमें गंभीर रुचि दिखाई। कुछ सदस्यों ने तो रातभर जागकर भी चर्चा में योगदान दिया, जिससे देश का भी ध्यान इस ओर गया। इस मौके पर सीएम योगी ने नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय पर तंज कसते हुए कहा कि वो जब अपनी विवेक से बोलते हैं तो अच्छा बोलते हैं। जब उन्हें ऊपर से निर्देश मिलते हैं तो वह मुर्गा की बात करने लगते हैं। उन्होंने यहां मुर्गा खाने पर भी व्यंग्य किया। सीएम ने एक शेर के माध्यम से तंज कसा

बड़ा हसीन है उनकी जबान का जादू,
लगा के आग बहारों की बात करते हैं।
जिन्होंने रात में बेखौफ बस्तियां लूटीं,
वही नसीब के मारों की बात करते हैं।

उन्होंने सपा पर तंज कसते हुए कहा कि ये लोग कूप मंडूक हैं। अब वो पीडीए की बात करते हैं जिसका मतलब है कि परिवार डेवलपमेंट अथॉरिटी। पूरी दुनिया आगे बढ़ रही है और ये लोग परिवार डेवलेपमेंट अथॉरिटी की तरह काम कर रहे हैं।

अपने भाषण में सीएम ने व्यंग्य भी किया। उन्होंने कहा कि मुलायम सिंह के बाद कायदे से चाचा का नंबर आना चाहिए था लेकिन यहां भी चाचा को गच्चा मिला। उनकी इस बात पर पूरे सदन में ठहाका लग गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि क्या भारत विकसित होगा तो उसमें उत्तर प्रदेश का भी योगदान होगा। क्या उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय अधिक नहीं होनी चाहिए? क्या वह खुशहाली का हिस्सा नहीं होना चाहिए? इन सवालों पर हमने दो भागों में चर्चा को बांटा – पहला, 1947 से 2017 तक हमने क्या हासिल किया, और दूसरा, 2017 के बाद से आने वाले 30 वर्षों का रोडमैप। 1947 से 2047 तक की यह 100 वर्षों की यात्रा में हमने क्या खोया और क्या पाया, इसका आत्मावलोकन करने का यह सबसे उचित समय है। प्रधानमंत्री जी ने जो विजन डॉक्यूमेंट देश के सामने प्रस्तुत किया, उसी के अनुरूप उत्तर प्रदेश ने प्रारंभिक चर्चा को आगे बढ़ाने का कार्य किया है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में समावेशी और समग्र विकास को उत्तर प्रदेश और भारत के विकास का आधार बताया। उन्होंने कहा, "हर विधानसभा क्षेत्र में विकास होना चाहिए और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव के सभी तक पहुंचना चाहिए। समावेशी विकास ही 'विकसित यूपी' और 'विकसित भारत' की संकल्पना को साकार कर सकता है।" उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी चर्चा में विकास कम और सत्ता की चाहत ज्यादा दिखती है। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश के अतीत की कड़वी सच्चाई को सामने रखते हुए कहा कि 1960 के बाद से राज्य लगातार गिरावट की ओर बढ़ा। उन्होंने कहा कि विशाल सामर्थ्य, उपजाऊ भूमि, नदियां और श्रमशक्ति होने के बावजूद नीतिगत उदासीनता के कारण यूपी 1980 के दशक के बाद देश का सबसे बीमारू राज्य बन गया। योजनाएं बनती थीं, घोषणाएं होती थीं, लेकिन न इच्छाशक्ति थी और न ही क्रियान्वयन का संकल्प। उन्होंने उस दौर की समस्याओं का जिक्र करते हुए कहा कि युवाओं को रोजगार नहीं मिलता था, किसानों को राहत नहीं थी और निवेशकों में भरोसे की कमी थी। अपराध और अराजकता का बोलबाला था। पलायन, गरीबी, इन्सेफलाइटिस और डेंगू जैसी बीमारियों से होने वाली मौतें, भ्रष्टाचार, भेदभाव और भाई-भतीजावाद ने यूपी को जकड़ रखा था। मुख्यमंत्री ने 2017 के बाद डबल इंजन सरकार के तहत हुए बदलावों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि 2017 के बाद कानून का राज स्थापित हुआ। अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई गई। उद्योगों के लिए अनुकूल माहौल बनाया गया और यूपी निवेशकों के लिए ड्रीम डेस्टिनेशन बन गया। योजनाओं का क्रियान्वयन बिना भेदभाव और तुष्टिकरण के हो रहा है। उन्होंने गर्व के साथ कहा कि आज यूपी की पहचान सुशासन से है। बेहतर कानून व्यवस्था, मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर और सरकार की सकारात्मक सोच ने यूपी को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। मुख्यमंत्री ने यूपी की आर्थिक प्रगति के प्रभावशाली आंकड़े पेश किए। उन्होंने बताया कि 2016-17 में यूपी की जीएसडीपी 13 लाख करोड़ रुपये थी, जो इस वित्तीय वर्ष के अंत तक 35 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है। राष्ट्रीय जीडीपी में यूपी का योगदान 8 फीसदी से बढ़कर 9.5 फीसदी हो गया है। प्रति व्यक्ति आय 43 हजार रुपये से बढ़कर 1 लाख 20 हजार रुपये तक पहुंच चुकी है। निर्यात 84 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर 1 लाख 86 हजार करोड़ रुपये हो गया है और राज्य का बजट 3 लाख करोड़ से बढ़कर 8 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। नीति आयोग के फिसिकल हेल्थ इंडेक्स में 8.9 अंकों का सुधार दर्ज किया गया है। डिजिटल लेनदेन 122 करोड़ रुपये से बढ़कर 1400 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी बीमारू राज्य से रेवेन्यू सरप्लस स्टेट बनने की ओर अग्रसर है। मुख्यमंत्री ने भारत की आर्थिक प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि 1947 में भारत दुनिया की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था, लेकिन 1980 तक यह 11वें स्थान पर खिसक गया। 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने प्रगति की और 2017 में सातवें, 2024 में पांचवें और 2025 में चौथे स्थान पर पहुंच गया है। उन्होंने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि आपने छठी अर्थव्यवस्था को 11वें स्थान तक पहुंचा दिया था, लेकिन आज भारत अपनी सामर्थ्य और शक्ति का परिचय दुनिया को दे रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी में देश की 16 फीसदी आबादी निवास करती है, लेकिन 2016-17 तक राष्ट्रीय जीडीपी में उसकी हिस्सेदारी 14 फीसदी से घटकर 8 फीसदी रह गई थी। प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत की तुलना में एक तिहाई रह गई थी। लेकिन 2017 के बाद यूपी ने कोविड महामारी के बावजूद राष्ट्रीय औसत से बेहतर आर्थिक विकास दर हासिल की। मुख्यमंत्री ने यूपी को विकास और सुशासन का मॉडल बनाने का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि यूपी अब केवल भारत का एक हिस्सा भर नहीं, बल्कि देश की आर्थिक और सामाजिक प्रगति का नेतृत्व करने वाला राज्य बन रहा है। निवेशकों का भरोसा, युवाओं को रोजगार, किसानों को राहत और आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं यूपी की नई पहचान हैं। उन्होंने सदन से अपील की कि सभी विधायक अपने क्षेत्रों में विकास को गति देने के लिए एकजुट होकर काम करें, ताकि यूपी और भारत के विकास का सपना साकार हो सके।

निक्षय मित्रों के सहयोग से मिल रहा क्षयरोगियो को पोषणयुक्त आहारः डॉ मार्कण्डेय चतुर्वेदी

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। राज्यपाल महोदय के आवाह्न पर जनपद में जिलाधिकारी एवं मुख्यविकास अधिकारी के निर्देश पर क्षयरोगियो को निक्षय मित्रों के द्वारा गोद लेकर उन्हें पोषणयुक्त आहार देने का कार्यक्रम निरन्तर चलाया जा रहा है। जिसके क्रम स्वतंत्रता दिवस के पूर्व संध्या पर गुरुवार को सीएचसी कसया के परिसर में 15 क्षयरोगियो में प्रोटीनयुक्त पोषण की पोटली वितरित किया गया। सीएचसी अधीक्षक डॉ मार्कण्डेय चतुर्वेदी ने कहा कि निक्षय मित्रों के सहयोग से क्षयरोगियो को प्रोटीनयुक्त पोषण आहार दिया जा रहा है ।जिसे क्षयरोगी दवा के साथ खाकर शीघ्र स्वस्थ्य हो रहे है। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान 2025 आप सभी के सहयोग से सफल होगा। निक्षय मित्र नोडल आशुतोष मिश्र ने कहा कि जनपद में क्षयरोगियो को गोद दिलाने का कार्यक्रम लगातार उच्चाधिकारियों के निर्देशन में चलाया जा रहा है,जिससे क्षयरोगी लाभान्वित हो रहे है। उन्होंने अपील किया कि समाज के सम्भ्रांत व्यक्ति आगे आकर क्षयरोगियो को गोद ले,उन्हें प्रोटीनयुक्त आहार दे ताकि दवा के साथ उसे खाकर शीघ्र स्वस्थ हो। इस दौरान एसटीएस शाहिद अंसारी,सैम्पल ट्रांसपोर्टर धनश्याम प्रसाद उपस्थित रहे।

बर्ड फ्लू (एवियन एन्पलूऐन्जा) टास्क फोर्स की बैठक की गई

हापुड़ (सब का सपना):- बर्ड फ्लू (एवियन एन्पलूऐन्जा) टास्क फोर्स की बैठक जिलाधिकारी, हापुड़ की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गयी। जिसमें मुख्य विकास अधिकारी, मुख्य चिकित्साधिकारी, वनाधिकारी, समस्त उप जिलाधिकारी, अधिशासी अधिकारी, न०पा०परि०, गढ़मुक्तेश्वर / पिलखुवा, अधिशासी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग, अधिशासी अभियन्ता सिंचाई विभाग, क्षेत्रीय अधिकारी पर्यावरण एवं प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड, जिला पंचायत राज अधिकारी, समस्त उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी /पशु चिकित्साधिकारी हापुड, डा० ओ०पी० मिश्रा, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, हापुड़, पोल्ट्री फार्म मालिकों एवं अन्य सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद रामपुर के कुक्कुट पक्षियों में ल्ट-5 ठ-1 एवियन इन्फ्लूऐन्जा वायरस के पॉजिटिव होने की पुष्टि की गई है। एवियन इन्फ्लूऐन्जा (बर्ड फ्लू) बीमारी से बचाव हेतु आवश्यक तैयारियां करने एवं सावधानियां / सतर्कता बरतने के सम्बन्ध में शासन द्वारा जनपद स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक करने के निर्देश दिये गये हैं जिसके क्रम में पशुपालन, स्वास्थ्य, वन एवं पर्यावरण, सिंचाई, राजस्व, कर एवं निबन्धन, पंचायती राज, नगर निकाय एवं सूचना विभाग, उ०प्र० के सदस्यों की एक संयुक्त टास्क फोर्स गठित की गयी है। समस्त विभागों के द्वारा बर्ड फ्लू रोग के समय सम्पादित किये जाने वाले कार्यों की विस्तृत व्याख्या की गयी तथा बर्ड फ्लू एक्शन प्लान से सभी को अवगत कराया गया कि यह एवियन इन्फ्लूएन्जा बीमारी है, यह एक विषाणु जनित (वायरल) इन्फेन्कशन है। विषाणु वर्तमान में ल्ट5 प्रकृति का है। यह आर.एन.ए. टाईप 'ए' वायरस है। इसके तीन एन्टीजन टाईप "ए." 'बी' तथा 'सी' होते हैं। बी एवं सी मनुष्यों में इन्फ्लुएन्जा रोग के प्रमुख कारण हैं। टाईप 'ए' पक्षियों में तथा मनुष्यों, सूकरों, घोड़े तथा बन्दरों में भी रोग उत्पन्न करते हैं। बर्ड फ्लू प्रभावित पक्षियों की प्रजातियां यथा-घरेलू पक्षी प्रजातियां, मुर्गी, जंगली पक्षी, माईग्रेटरी पक्षी हैं। पक्षियों में बर्ड फ्लू बीमारी के प्रमुख लक्षण जैसे-पक्षियों के आंख एवं नाक से लाल रंग का पानी आना, हरे व लाल रंग का पतला दस्त (बीट), पक्षी को ज्वर आना, कलंगी, वाटल व पैरों का बैंगनी हो जाना, पक्षियों के गर्दन तथा आंखों के निचले हिस्से में सूजन, अण्डा उत्पादन कम, श्वांस लेने में कठिनाई, छींक, खांसी एक जगह बैठे रहना सिर एवं गर्दन में सूजन आदि हो जाना। प्रभावित पक्षियों में मृत्यु दर 50 से 100 तक होती है। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी द्वारा बर्ड फ्लू रोग से बचाव हेतु सुझाव दिये गये कि बायोसिक्योरिटी, साफ-सफाई रखना, मुर्गी, बत्तख, मछली तथा सुकर पास-पास न पालें, बीमार पक्षियों के बीट से बचें, मृत प्रवासी पक्षियों से, प्रभावित कुक्कुट प्रक्षेत्रों से तथा एच०पी०ए०आई० से ग्रसित पक्षियों के शव विच्छेदन से बचें, कुक्कुट पालन का कार्य पूरी बायोसिक्योरिटी अपनाते हुए संतुलित आहार, स्वस्थ चूजों, उत्तम रख-रखाव विधि से किया जाये तथा मृत पक्षियों का डिस्पोजल, डिस्पोजल पिट में किया जाये तथा बीमार पक्षियों को तुरन्त निकाल दिया जाये तो रोग की सम्भावना कम हो जाती है। वर्तमान में जनपद में बर्ड फ्लू के केस तथा पक्षियों के मृत होने की कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई है। पशुपालन विभाग की पूरे जनपद में पांच रेपिड रेसपॉन्स टीम गठित की गयी हैं तथा बर्ड फ्लू के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की सूचना के आदान-प्रदान हेतु जनपदीय कन्ट्रोल रूम नम्बर- 0122-2980035, 0122-2980038 पर प्राप्त की जा सकती है। रेपिड रेसपॉन्स टीम द्वारा जनपद के समस्त पोल्ट्री फार्मों की नियमित जांच कर सैम्पल मण्डलीय प्रयोगशाला में भेजे जा रहे हैं। डा० सुनील कुमार, मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा बताया गया है कि स्वास्थ्‌ु८ विभाग द्वारा बर्ड फ्लू से बचाव की पूर्ण व्यवस्था की गयी है जिस हेतु 450 पी०पी०ई० किट, 5000 टैमीफ्लू टेबलेट, 2000 मास्क, 500 ल्ट-1 ठ-1 मास्क तथा 100 बेड का आइसोलेशन वार्ड तैयार किया गया है। जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि बर्ड फ्लू रोग के सम्बन्ध में समस्त विभाग अपनी तैयारियां पूर्ण रखें तथा आम जन-मानस को बर्ड फ्लू रोग के सम्बन्ध में अधिक से अधिक जानकारी प्रदान करें एवं जनपद के समस्त पोल्ट्री फार्मों एवं विक्रेताओं के यहां से अधिक से अधिक मात्रा में सैम्पल जांच हेतु प्रयोगशाला में भेजे जायें।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक सम्भल ने किया थाना रायसत्ती का निरीक्षण

संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ0 राजेन्द्र पैंसिया व पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार द्वारा थाना रायसत्ती का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना कार्यालय, कम्प्यूटर कक्ष, आगंतुक कक्ष, हवालात, हेल्प डेस्क, सीसीटीवी आदि का निरीक्षण कर थाने में साफ सफाई व अभिलेखों का जायजा लिया गया तथा सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

पुलिस ने दो आरोपियों को अलग-अलग मामलों में किया गिरफ्तार

संभल/(सब का सपना):- रजपुरा पुलिस की टीम ने दो अलग-अलग मामलों में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान प्रदीप शर्मा पुत्र सतीश शर्मा गांव सेमरी और देवेंद्र पुत्र रामकुंवर गांव दादपुर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, प्रदीप शर्मा को केस के तहत धारा 125(3) सीआरपीसी के अंतर्गत गिरफ्तार किया गया। वहीं, देवेंद्र को केस के तहत भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा के तहत गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपियों को उनके संबंधित आवासों से हिरासत में लिया गया। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में सब-इंस्पेक्टर विनोद कुमार, सब-इंस्पेक्टर जर्मन सिंह, कांस्टेबल पूरन सिंह, कांस्टेबल विक्रांत सिंह और हेड कांस्टेबल भूदेव सिंह शामिल थे। पुलिस ने बताया कि दोनों मामलों में आगे की जांच जारी है, और आरोपियों को उचित कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

धर्म जागरण समिति द्वारा धर्म रक्षा बंधन दिवस कार्यक्रम का हुआ आयोजन

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की धार्मिक गतिविधि के अंतर्गत धर्म जागरण समिति द्वारा आज मोहल्ला सीकरी गेट एवं सैमर टोला में धर्म रक्षाबंधन उत्सव का कार्यक्रम सामाजिक सद्भाव के साथ मनाया गया । परिचय वार्ता और रक्षा सूत्र बांधने के बाद डॉ. जयशंकर दुबे ने कहा कि धर्म रक्षाबंधन के कार्यक्रम से परस्पर एकता की भावना मजबूत होती है तथा राष्ट्र प्रेम बढ़ता है । राजेश कुमार ने कहा कि रक्षा सूत्र बांधना हमारी परंपरा है, परस्पर स्वाद के लिए यह आवश्यक है । नगर संयोजक हरीश कठेरिया ने प्रांत से आए पत्रक को पढ़कर सुनाया और कहा कि नगर में कई स्थानों पर धर्म रक्षाबंधन के कार्यक्रम मनाए गए हैं । अंत में भारत माता की आरती की गई । इस अवसर पर वर्षा गर्ग, रमन शर्मा, प्रवीणकुमार, आकाशदीप, ज्योति शर्मा, सत्येंद्र सिंह, मिलनकुमार, रजनी, प्रियंका, स्वाति आदि उपस्थित रहे ।

डीएम और एसपी की मौजूदगी में विद्युत विभाग टीम द्वारा बिजली चैकिंग अभियान चलाया गया

भारी पुलिस बल के साथ की गई छापेमारी भारी मात्रा में पकड़ी गई बिजली चोरी

बबराला/संभल(सब का सपना):- डीएम और एसपी की मौजूदगी में विद्युत विभाग टीम द्वारा बिजली चैकिंग अभियान चलाया गया जहां भारी मात्रा में बिजली चोरी पकड़ी गई। आपको बता दें कि जनपद संभल के कस्बा बबराला के गाँव केल में विद्युत विभाग द्वारा छापामार कार्रवाई की गई जिसमें जिलाधिकार संभल ने जानकारी देते हुए बताया कि 5163 कनेक्शन हैं। जिसमे से कुल 2.6 या 7 प्रतिशत ही लोग विलिंग करते है। 2 करोड़ से अधिक वहाँ विजली विल बकाया है जो लोगों ने भरा नहीं है बिजली चोरी का जो सबसे बड़ा घाटा है वो जल का होता है क्यो कि व्यक्ति अनाप स्नाप दोहन करता है वहाँ हमने देखा तो हजारों की संख्या में मोटर घरों में लगे हुए है। किसी के घर मे एक तो किसी के घर में दो लगे हुए है इसी के साथ साथ दो दो तीन तीन एसी भी लगे हुए पाए गए और आठ आठ दस दस दुकानों को एक ही घर से फ्री में विजली भी दी जा रही थी वर्तमान में हमारा लक्ष्य है कि सम्भल में कहाँ कहाँ विजली चोरी होती है वहाँ पांच हजार लगभग घर है जो विजली का प्रयोग कर रहे है। पहले हम इस गाँव को कॉर्पोरेट करेंगे फिर दूसरी तहसील में जाएंगे और बिजली चोरी से जो भी समस्याएं होती है जैसे ज्यादा पानी बहाना कीचड़ हो जाना इन समस्याओं का भी समाधान होगा आगे जिलाधिकारी ने बताया कि ये एक बड़ा अभियान है जो लगातार जारी रहेगा और हर तहसील में जारी रहेगा इस मौके पर प्रशासन सहित बिजली विभाग के अधिकारी तथा समस्त कर्मचारी मौजूद रहे।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' कार्यक्रम का किया गया आयोजन

हापुड़ (सब का सपना):- नगर पालिका परिषद हापुड़ के हाल में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष एवं भाजपा अध्यक्ष द्वारा विभाजन की विभीषिका से विस्थापित परिवारों के नाम मोमबत्ती जलाकर किया गया। स्मृति दिवस याद करने के लिए वीभत्स नरसंहार की याद में कार्यक्रम के आयोजन को मुख्य उद्देश्य बताया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा नागर, भाजपा जिला अध्यक्ष नरेश तोमर जी, जिलाधिकारी अभिषेक पांडेय, पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानेजय सिंह, मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गौतम उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जैन कन्या पाठशाला इ०का० की छात्राओं ने विभाजन विभीषिका पर एक कविता प्रस्तुत की गई ' विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के जनपद स्तरीय नामित नोडल जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा आगन्तुक अतिथियों का आभार प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि द्वारा विभाजन पीडित द्वारा वर्तमान में उनके परिवारजनों को सोल देकर सम्मानित किया ।

गोरखपुरः सपाइयों ने किया प्रदर्शन

गोरखपुर। समाजवादी पार्टी के पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव राजेश निषाद के नेतृत्व में गुरुवार को शास्त्री चौक पर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री (मत्स्य पालन) व निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद का पुतला फूंका गया। सपा नेताओं ने मंत्री पर गंभीर आरोप लगाए और बहन फूलन देवी की हत्या की उइक जांच की मांग की। राजेश निषाद ने बताया कि हाल ही में डॉ. संजय निषाद ने विधानमंडल के सत्र के दौरान बयान दिया कि बहन फूलन देवी की हत्या सपा ने करवाई थी। इस बयान से नाराज होकर सपा कार्यकताओं ने विरोध प्रदर्शन किया।

उन्होंने आरोप लगाया कि संजय निषाद राजनीति के लिए झूठ फैला रहे हैं। राजेश निषाद ने कहा कि जब फूलन देवी की हत्या हुई थी, तब केंद्र और उत्तर प्रदेश दोनों जगह भाजपा की सरकार थी। इस हत्या में दोषी शेर सिंह राणा को उम्रकैद हुई थी। लेकिन 2016 में भाजपा सरकार आने के बाद वह बरी हो गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार में निषाद समाज के कई लोगों की हत्याएं हुई हैं। सपा नेता ने कसरवल कांड का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि संजय निषाद ने ही अखिलेश निषाद की हत्या करवाई थी और उसी घटना के नाम पर राजनीति की। उन्होंने कहा कि सपा ने ही संजय निषाद के बेटे प्रवीण निषाद को सांसद बनाया था। लेकिन बाद में वह भाजपा में चले गए और समाज के वोटों को ह्यबेचनेह्न का काम किया। राजेश निषाद ने कहा कि संजय निषाद और उनका परिवार कभी अपने दल के प्रतीक चिन्ह पर चुनाव नहीं लड़ते। उनका बेटा भाजपा से सांसद रहा। छोटा बेटा भाजपा से विधायक है और खुद संजय निषाद भाजपा कोटे से एमएलसी व मंत्री हैं। संतकबीरनगर में भी समाज को धोखा देने के कारण वहां के लोगों ने उनके बेटे को हरा दिया। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा सरकार ने निषादराज जयंती पर मिलने वाली सरकारी छुट्टी को भी समाप्त कर दिया है। उन्होंने मांग की कि संजय निषाद, फूलन देवी हत्याकांड की उइक जांच करवाएं और निषाद समाज के साथ हुए अन्याय का जवाब दें।

देश के बंटवारे के दर्द को कभी भुलाया नहीं जा सकताः कामेश्वर सिंह

संवाददाता

कुशीनगर। भारत से शताब्दियों से जकड़ी हुई परतंत्रता की बेड़ियां 1947 में एक लंबे स्वतंत्रता संग्राम के बाद टूट गईं । देश जन-जन की आशाओं व आकांक्षाओं को पूरा करने की दिशा में बढ़ चला, लेकिन देश को स्वतंत्रता के साथ ही साथ विभाजन की विभीषिका भी झेलनी पड़ी। मुस्लिम लीग की मुसलमानों के लिए अलग देश की मांग ने लाखों लोगों को विस्थापित कर दिया, यह विस्थापन कोई सामान्य नहीं था। लाखों लोगों का जनसंहार हुआ, महिलाओं के साथ जघन्यतम अपराध हुए- उस दौर में भारतीय उपमहाद्वीप में मानवता त्राहिमाम कर उठी। स्वतंत्रता आंदोलन में अंग्रेजों के विरुद्ध देश एकजुट होकर लड़ा था, उस दौर में किसी ने इस तरह के विभाजन के बारे में सोचा भी नहीं होगा। लेकिन अंग्रेजों की शातिराना कोशिशों तथा मुस्लिम लीग के सांप्रदायिक एजेंडे ने आधुनिक काल में मनुष्यता पर विभाजन द्वारा बड़ा संकट खड़ा किया। यह बातें भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कामेश्वर सिंह ने कहा। वह गुरुवार को विभाजन विभिषिका दिवस पर पार्टी द्वारा रविन्द्र नगर भाजपा कार्यालय में आयोजित संगोष्ठी को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रहे थे। कहा कि विभाजन के जिम्मेदारों पर बात करते हुए समाजवादी नेता राममनोहर लोहिया ने अपनी किताब 'गिल्टी मेन ऑफ पार्टिशन' में लिखा है कि कई बड़े कांग्रेसी नेता जिनमें नेहरू भी शामिल थे वे सत्ता के भूखे थे जिनकी वजह से बंटवारा हुआ। विभाजन की विभीषिका ने जिन लोगों को असमय मृत्यु की ओर ढकेल दिया, जिन परिवारों के साथ अमानवीय ज्यादतियां हुईं - क्या देश को वर्तमान आधुनिक लोकतांत्रिक देश बनाने तथा स्वतंत्रता दिलाने में उनका योगदान था? यदि हां, तो उन्हें उचित सम्मान मिलना चाहिए। बीते वर्ष प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 14 अगस्त के दिन को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के रूप में मनाने की घोषणा की।

नरेन्द्र मोदी जी ने यह घोषणा करते हुए यह कहा ह्लदेश के बंटवारे के दर्द को कभी भुलाया नहीं जा सकता। यह दिन हमें भेदभाव, वैमनस्य और दुर्भावना के जहर को खत्म करने के लिए न केवल प्रेरित करेगा, बल्कि इससे एकता, सामाजिक सद्भाव और मानवीय संवेदनाएं भी मजबूत होंगी। अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने कहा कि देश के विभाजन के दर्द को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर हम उन अनगिनत लोगों को याद करते हैं जो विभाजन की भयावहता से प्रभावित हुए। यह दिवस उन पीड़ितों के साहस को श्रद्धांजलि देने का भी दिन है। यूएनपीजी पडरौना अवकाश प्राप्त विभागाध्यक्ष प्रो रामनरेश दूबे ने कहा कि जवाहरलाल नेहरु आधुनिक भारत के निमार्ता नहीं बल्कि अखंड भारत के विनाशक थे। पूर्व जिलाध्यक्ष जगदम्बा सिंह लल्लन मिश्र, डॉ प्रेमचंद मिश्र,जय प्रकाश शाही, डॉ ममता मणि त्रिपाठी, सूबेदार सतीश चन्द्र पाण्डेय, पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रदीप जायसवाल, अनुसूचित जाति मोर्चा जिलाध्यक्ष रविन्द्र प्रसाद ने सम्बोधित किया। संचालन कार्यक्रम संयोजक वरुण राय द्वारा किया गया। इस अवसर पर पवन केडिया, डॉ वीणा गुप्ता, राधेश्याम पाण्डेय, हरिशंकर राय, राणा प्रताप राव, सुदर्शन पाल, मनोज जायसवाल, रमेश सिंह पटेल, डॉ विनोद भारती, विवेकानंद शुक्ल, डॉ सीमा गुप्ता, विश्वरंजन कुमार आनन्द, नमो नारायण मौर्य,अजय राय, सुधीर राव कन्हैया गोंड, जितेन्द्र सिंह, धन्नजय राय, संदीप सिंह, राजनेति कश्यप, नवरंग सिंह, सतीश चौधरी मौजूद थे।

बैटरी फटने से सीसीटीवी कैमरे के गोदाम में लगी आग

कानपुर। नजीराबाद थानाक्षेत्र में गुरुवार तड़के तीन मंजिल की बिल्डिंग के प्रथम तल पर इनवर्टर की बैटरी फटने से सीसीटीवी कैमरे के गोदाम में आग लग गई। सूचना पर पहुंची पुलिस और दमकल की छह गाड़ियों ने ढाई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पीड़ित परिवार ने आग से करीब 80 लाख रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया है ।लाजपतनगर में विशाल कालरा पत्नी स्वेता, बेटे कुशाग्र व कृष्णम कालरा के साथ भूतल पर रहते हैं। उन्होंने बताया कि प्रथम तल पर उनका रोज इंटरप्राइजेज नाम से सीसीटीवी कैमरे, बायोमीट्रिक, हार्डडिस्क, डीवीआर, ऑटोमेटिक सेंसर डोर आदि का होलसेल का गोदाम है। यहीं से ऑर्डर मिलने पर वह माल की सप्लाई करते हैं। बुधवार की रात 10:30 बजे कर्मचारियों के जाने के बाद वह भूतल पर सोने के लिए आ गए। सुबह करीब चार बजे घर के आंगन में प्रथम तल पर लगे जाल की प्लास्टिक गलकर कर टपकने लगी। आवाज सुनाई दी तो नींद खुली। लगा कि ओले गिर रहे हैं। इस पर कार हटाने के लिए दरवाजा खोला तो जीने से धुआं और लपट रही थी। तब आग लगने का पता चला। शोर मचाकर आसपास के लोगों को जगाया। इसके बाद 4:40 बजे दमकल को दी गई। सूचना पर फजलगंज फायर स्टेशन से चार, पनकी और मीरपुर फायर स्टेशन से एक-एक दमकल की गाड़ियां पहुंचीं और 6:30 बजे आग बुझा दी। कारोबारी के बेटे विशाल ने बताया कि 15 दिन पहले एक नामी कंपनी की बैटरी लेकर आए थे।

गोरखपुरः सपाइयों ने किया प्रदर्शन

गोरखपुर। समाजवादी पार्टी के पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव राजेश निषाद के नेतृत्व में गुरुवार को शास्त्री चौक पर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री (मत्स्य पालन) व निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद का पुतला फूंका गया। सपा नेताओं ने मंत्री पर गंभीर आरोप लगाए और बहन फूलन देवी की हत्या की उइक जांच की मांग की। राजेश निषाद ने बताया कि हाल ही में डॉ. संजय निषाद ने विधानमंडल के सत्र के दौरान बयान दिया कि बहन फूलन देवी की हत्या सपा ने करवाई थी। इस बयान से नाराज होकर सपा कार्यकताओं ने विरोध प्रदर्शन किया।

उन्होंने आरोप लगाया कि संजय निषाद राजनीति के लिए झूठ फैला रहे हैं। राजेश निषाद ने कहा कि जब फूलन देवी की हत्या हुई थी, तब केंद्र और उत्तर प्रदेश दोनों जगह भाजपा की सरकार थी। इस हत्या में दोषी शेर सिंह राणा को उम्रकैद हुई थी। लेकिन 2016 में भाजपा सरकार आने के बाद वह बरी हो गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार में निषाद समाज के कई लोगों की हत्याएं हुई हैं। सपा नेता ने कसरवल कांड का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि संजय निषाद ने ही अखिलेश निषाद की हत्या करवाई थी और उसी घटना के नाम पर राजनीति की। उन्होंने कहा कि सपा ने ही संजय निषाद के बेटे प्रवीण निषाद को सांसद बनाया था। लेकिन बाद में वह भाजपा में चले गए और समाज के वोटों को ह्यबेचनेह्न का काम किया। राजेश निषाद ने कहा कि संजय निषाद और उनका परिवार कभी अपने दल के प्रतीक चिन्ह पर चुनाव नहीं लड़ते। उनका बेटा भाजपा से सांसद रहा। छोटा बेटा भाजपा से विधायक है और खुद संजय निषाद भाजपा कोटे से एमएलसी व मंत्री हैं। संतकबीरनगर में भी समाज को धोखा देने के कारण वहां के लोगों ने उनके बेटे को हरा दिया। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा सरकार ने निषादराज जयंती पर मिलने वाली सरकारी छुट्टी को भी समाप्त कर दिया है। उन्होंने मांग की कि संजय निषाद, फूलन देवी हत्याकांड की उइक जांच करवाएं और निषाद समाज के साथ हुए अन्याय का जवाब दें।

शुभमन गिल या यशस्वी जायसवाल: एशिया कप टीम में किसे मिलेगी जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। नवनियुक्त टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड दौरे के दौरान 754 रन बनाकर बल्लेबाजी रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया। इस दौरे में उन्होंने 5 मैचों में चार शतक लगाए और %प्लेयर ऑफ द सीरीज% का खिताब जीता। वनडे में पहले से ही एक मजबूत खिलाड़ी गिल ने 55 वनडे मैचों में 2,775 रन और 22 अर्धशतक जड़े। शुभमन गिल को 9 सितंबर से शुरू होने वाले आगामी टी20 एशिया कप में खिलाने का प्रलोभन दिया जा रहा है।

भारत अपने अभियान की शुरुआत 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ मैच से करेगा। मीडिया में ऐसी खबरें हैं कि गिल टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में वापसी कर सकते हैं, और संभवतः उप-कप्तान संभाल सकते हैं। मौजूदा कप्तान रोहित शर्मा के संन्यास लेने के बाद, उन्हें वनडे टीम की कमान मिल सकती है। सवाल यह है कि क्या गिल भारत की टी20आई योजनाओं में फिट बैठते हैं? उनका सबसे हालिया टी20 मैच इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में था, जहां उन्होंने लगभग 156 के स्ट्राइक रेट से 15 मैचों में छह अर्द्धशतकों के साथ 650 रन बनाए और चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी के रूप में उभरे। उन्हें उन चेहरों में से एक के रूप में भी पहचाना जाता है जो आने वाले दशक में भारत के लिए सभी प्रारूपों में क्रिकेट पर हावी हो सकते हैं।

चयन प्रक्रिया अभी भी जटिल है, क्योंकि पिछली बार जब भारत ने एक पूर्ण टी20आई टीम खेली थी, तब रोहित शर्मा और विराट कोहली टी20 विश्व कप 2024 में अभी भी मौजूद थे और गिल मुख्य 15 खिलाड़ियों के अलावा एक यात्रा रिजर्व के रूप में थे। तब से शेड्यूलिंग और चोटों ने टी20आई में भारत के चयन को प्रभावित किया है। उन्होंने वर्ष 2024 का अंत आठ टी20आई में 38.00 की औसत, 133 की स्ट्राइक रेट और जिम्बाब्वे श्रृंखला में दो अर्द्धशतकों के साथ 266 रन बनाकर किया, जिससे उनके कुल आंकड़े 21 मैचों और पारियों में 30.42 की औसत से 578 रन हो गए जिसमें 139 से अधिक की स्ट्राइक रेट, एक शतक और तीन अर्द्धशतक शामिल हैं, जबकि उनके टी20आई करियर की शुरुआत में स्कोर की एक असंगत श्रृंखला थी।

गिल को जुलाई में टी20आई श्रृंखला के लिए सूर्यकुमार यादव के उप-कप्तान के रूप में नियुक्त किया गया था और चूंकि टेस्ट क्रिकेट को प्राथमिकता दी गई, इसलिए गिल को टी20आई के लिए नहीं चुना गया। संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा भारत के नए शीर्ष तीन के रूप में उभरे। गिल अक्टूबर में बांग्लादेश के खिलाफ टी20आई, नवंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20आई और इस साल जनवरी में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टी20आई से चूक गए। जनवरी में होने वाले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के निराशाजनक प्रदर्शन के तुरंत बाद आयोजित किए गए थे और मार्च में होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी इस युवा खिलाड़ी के लिए प्राथमिकता थी क्योंकि उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए चुना गया था और ऑलराउंडर अक्षर पटेल को इस पूरे टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के लिए उप-कप्तान बनाया गया था।

कार्यक्रम अभी भी बेहद कठिन है क्योंकि 28 सितंबर को एशिया कप फाइनल के बाद वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज 2 अक्टूबर से शुरू होगी। चयनकर्ताओं को अगले साल घरेलू और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप को बरकरार रखने के इरादे से एशिया कप के लिए, अपनी सर्वश्रेष्ठ टीम चुननी होगी। टी20 विश्व कप जीत के बाद से भारत द्विपक्षीय सीरीज में शानदार प्रदर्शन कर रहा है और उसने ऐसी 20 में से 17 सीरीज जीती हैं।

गिल की अनुपस्थिति में अभिषेक ने इंग्लैंड के खिलाफ 279 रनों की सीरीज (220 के औसत से) खेलकर अपनी जगह पक्की कर ली, जिसमें वानखेड़े में 54 गेंदों में 135 रनों की तूफानी पारी भी शामिल है। हालांकि संजू के स्कोर कम रहे, लेकिन उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू और दक्षिण अफ्रीका में हुई सीरीज की 5 पारियों में तीन शतक जड़े थे। पिछला टी20 विश्व कप जीत के बाद से सभी शीर्ष क्रम विकल्पों में, अभिषेक अपने स्ट्राइक रेट और स्कोर को देखते हुए शीर्ष स्कोरर और सबसे आकर्षक खिलाड़ी रहे हैं। भारत/आईपीएल/घरेलू मुकाबलों में 42 मैचों में उन्होंने 40 पारियों में

34.94 की औसत से 1,363 रन बनाए हैं, जिसमें 198 से ज्यादा का स्ट्राइक रेट, 4 शतक और छह अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 141 है।

पिछले टी20 विश्व कप के बाद से तिलक ने 36 मैचों और 32 पारियों में 50.00 की औसत से 1,200 रन बनाए हैं जिसमें 153.84 का स्ट्राइक रेट, तीन शतक और 5 अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 151 है। इनमें से दो शतक पिछले साल दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान आए थे। सैमसन ने भी अच्छा प्रदर्शन किया और अभिषेक के साथ भारतीय टीम के लिए सलामी बल्लेबाज के रूप में नया जीवन पाया। पिछले टी20 विश्व कप के बाद से उन्होंने 31 टी20 मैचों और 30 पारियों में 33.62 की औसत और 157.09 के स्ट्राइक रेट से 908 रन बनाए हैं, जिसमें तीन शतक और तीन अर्द्धशतक शामिल हैं।

कप्तान सूर्यकुमार यादव ने सभी टी20 मैचों में 36.90 की औसत और 161.13 के स्ट्राइक रेट और 8 अर्द्धशतकों के साथ 1,107 रन बनाए हैं। टी20 विश्व कप जीत के बाद उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 75 रन है। हालांकि उनके अंतरराष्ट्रीय फॉर्म में भारी गिरावट देखी गई। पिछले साल के टी20 विश्व कप के बाद से गिल ने 22 मैचों में 47.00 की औसत और 147 से अधिक के स्ट्राइक रेट और आठ अर्द्धशतकों के साथ 893 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 93* है।

विश्व कप पर नजरें, ग्लेन मैक्सवेल अपनी गेंदबाजी में कर रहे सुधार

केर्न्स (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के करिश्माई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल अगले साल भारतीय उपमहाद्वीप में होने वाले टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए पावरप्ले के ओवरों में अधिक प्रभाव छोड़ने के लिए अपने स्पिन गेंदबाजी कौशल को निखार रहे हैं।

टी20 विश्व कप 2026 में भारत और श्रीलंका में आयोजित किया जाएगा और अगर मैक्सवेल फिट रहते हैं तो उनका ऑस्ट्रेलिया की टीम में जगह बनाना तय है। वह नियमित रूप से इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलते रहे हैं और भारतीय उपमहाद्वीप की परिस्थितियों से अच्छी तरह वाकिफ हैं।

मैक्सवेल ने अपनी गेंदबाजी क्षमता के बावजूद 2022 के टी20 विश्व कप और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रही घरेलू श्रृंखला के बीच सबसे छोटे प्रारूप में पावर प्ले में कुल मिलाकर 5 ओवर फेंके हैं। लेकिन इस 36 वर्षीय खिलाड़ी का मानना है कि वह टी20 विश्व कप के दौरान पावरप्ले ओवरों में उपयोगी साबित हो सकते हैं, क्योंकि नई गेंद उपमहाद्वीप के विकेटों पर बेहतर पकड़ बनाती है।

मैक्सवेल ने कहा, 'मुझे लगता है कि उपमहाद्वीप में आप शुरुआत में स्पिनर के तौर पर विकेट से थोड़ा अधिक लाभ उठा सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'मुझे विकेट लेना बहुत पसंद है। जब भी मैं किसी को आउट करता हूं तो मुझे हैरानी होती है। मैं पावरप्ले में अपनी भूमिका निभाना चाहता हूं और इसमें अधिक बेहतर तरीके से गेंदबाजी करने की कोशिश कर रहा हूं।'

सीएसके के लिए सैमसन को शामिल करना इसलिए हो रहा मुश्किल : उथप्पा

नई दिल्ली । राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन के आईपीएल टीम बदलने को लेकर चर्चाएं जारी हैं। कहा जा रहा है कि सैमसन अगले सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स खेल सकते हैं। सीएसके ने हालांकि अभी तक कुछ नहीं कहा है। वहीं राजस्थान रॉयल्स ने भी इस मामले में चुप्पी साध रखी है। इस मामले में पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा का माना है कि सैमसन अब रॉयल्स में फिट नहीं हो पा रहे हैं, इसी कारण वह उसे छोड़ना चाहते हैं। सीएसके को लग रहा है कि सैमसन आते हैं तो उसे एक अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज और कप्तान मिल जाएगा जो महेंद्र सिंह धोनी की जगह ले सके। इसके लिए वह राजस्थान रॉयल्स से सौदेबाजी की कोशिश में लगी है। वहीं कहा जा रहा है कि रॉयल्स बदले में सीएसके के दो खिलाड़ी चाहती है। उथप्पा ने यह भी कहा कि सीएसके को आर अश्विन और विजय शंकर को देकर रॉयल्स से सैमसन को लेना चाहिये। सैमसन की कीमत अभी 18 करोड़ रुपये है, इसलिए भी उनके लिए करार करना कठिन हो रहा है। उथप्पा ने कहा कि रॉयल्स युवाओं को आगे बढ़ाती रही है। उसके पास पहले से ही बल्लेबाजी में यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी और रियान पराग जैसी प्रतिभाएं हैं। इसी कारण सैमसन को अब टीम में अपना भविष्य नजर नहीं आता है। इसी वजह से वह किसी अन्य टीम के साथ जुड़ना चाहते हैं। उथप्पा ने कहा कि जायसवाल, सूर्यवंशी और रियान पराग के रहते हुए सैमसन को चौथे नंबर पर ही बल्लेबाजी के लिए उतरना पड़ेगा। वह नहीं चाहते कि बल्लेबाजी क्रम में वह नीचे खिसके क्योंकि वह भारतीय टीम के लिए टी20 में बल्लेबाजी करते हैं।

वेस्टइंडीज के खिलाफ पाकिस्तान 92 रन पर ऑल आउट, शोएब अख्तर ने हेड कोच को लिया आड़े हाथ

स्पोर्ट्स डेस्क। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज हारने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट टीम और नवनियुक्त हेड कोच माइक हेसन पर तीखा हमला बोला। हालांकि पाकिस्तान पहला वनडे जीतने में कामयाब रहा और दूसरा मैच भी अच्छा रहा, लेकिन तीसरे वनडे में टीम पूरी तरह से बिखर गई। 295 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की पूरी टीम 92 रनों पर ढेर हो गई। अख्तर ने कहा कि गेंदबाजी के अनुकूल परिस्थितियों में पाकिस्तानी बल्लेबाज अच्छा खेलने के लिए तैयार नहीं हैं। क्रिकेट पाकिस्तान के हवाले से अख्तर ने मैच के बाद कहा, %माइक हेसन एक अच्छे टी20 कोच हैं, लेकिन मुझे नहीं पता कि उनमें वनडे के लिए क्या गुण हैं। इस प्रारूप में अगर आप अच्छे खिलाड़ी नहीं खिलाएंगे, तो यही होगा।' उन्होंने आगे कहा, 'जब तक आप

स्थापित ऑलराउंडर, बल्लेबाज, गेंदबाज और स्पिनर नहीं उतारेंगे, आपको पूरे 50 ओवर नहीं मिलेंगे। इस प्रारूप में आप मुश्किल से जीत हासिल नहीं कर सकते।' उन्होंने कहा, 'यह खिलाड़ियों की गलती नहीं, बल्कि गलत नीतियों का नतीजा है। सीमिंग पिचों पर आपके खिलाड़ी हमेशा उजागर होते रहेंगे। अब इस पुनर्निर्माण प्रक्रिया को एक नया नाम दिया गया है, एक संयोजन बनाना। शुक्र करो कि पैट कमिंस और मिशेल स्टार्क यहां नहीं थे। जहां भी ऐसे हालात होंगे, हमारे खिलाड़ी उजागर होंगे।'

विराट ने अभ्यास सत्र का वीडियो जारी किया, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज से वापसी करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के जहां एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास लेने की अटकलें लगायी जा रही हैं और कहा जा रहा है कि उन्हें 2027 विश्वकप के लिए जगह नहीं मिलेगी। वहीं लगता है कि कि विराट अभी संन्यास लेने के मूड में नहीं हैं। हाल ही में विराट ने नेट अभ्यास की तस्वीरें जारी की हैं। जिससे संकेत मिलते हैं कि वह एकदिवसीय प्रारुप पर ध्यान दे रहे हैं। अगस्त में बांग्लादेश के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के स्थगित होने के बाद अब विराट अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में खेलते दिखेंगे। ये सीरीज विराट के करियर के लिए काफी अहम मानी जा रही है।

कोहली ने इनडोर नेट सत्र की एक तस्वीर जारी की है, जिससे पता चलता है कि चैंपियंस ट्रॉफी में

अपने अंतिम मैच के बाद से ही वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के लिए तैयार हैं। साझा की गई एक तस्वीर में कोहली गुजरात टाइटंस के सहायक कोच नईम अमीन के साथ अभयास करते हुए दिखाई दे रहे थे। उन्होंने लिखा, 'हिट में सहायता करने के लिए धन्यवाद, भाई आपको देखकर हमेशा अच्छा लगता है।' बाद में एक प्रशंसक ने इस तस्वीर को दोबारा जारी किया। इसमें कोहली एकदिवसीय सीरीज की तैयारी करते हुए दिखे।

विराट के साथ-साथ ही कप्तान रोहित शर्मा के लिए भी ऑस्ट्रेलिया सीरीज अहम रहेगी। अगर वह इसमें अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये तो उनका भी एकदिवसीय करियर समाप्त होना तय है। टी20 और टेस्ट मैच से संन्यास के कारण अब रोहित एकदिवसीय प्रारुप में ही खेलते हैं। इस बीच ही दिग्गजों की बढ़ती उम्र को देखते हुए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) भविष्य की योजनाओं को देखते हुए इनकी जगह पर युवाओं को अवसर देने के पक्ष में है।

सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर की सानिया चंडोक से सगाई हुई

मुम्बई। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर की सानिया चंडोक से सगाई हुई है। सानिया एक नामी कारोबारी घई परिवार से संबंध रखती हैं और अर्जुन की बचपन की दोस्त हैं। घई परिवार आतिथ्य और खाद्य उद्योग में एक बड़ा नाम है। जो इंटरकॉन्टिनेंटल होटल और लोकप्रिय आइसक्रीम ब्रांड ब्रुकलिन क्रीमरी के मालिक हैं। वहीं सानिया चंडोक मुंबई स्थित मिस्टर पॉज पेट स्पा एंड स्टोर एलएलपी में एक नामित पार्टनर और निदेशक हैं। वह दिग्गज कारोबारी रवि घई की पोती हैं। सानिया और अर्जुन बचपन के दोस्त हैं। उनकी सगाई में दोनों के परिवारों के सदस्य और उनके कुछ करीबी रिश्तेदार और दोस्त भी शामिल थे। इससे पहले अर्जुन और सानिया कई बार एकसाथ नजर आये पर उनके अफेयर की जानकारी सार्वजनिक नहीं हुई थी। अर्जुन तेंदुलकर बांए हाथ के तेज गेंदबाज और बल्लेबाज हैं। अर्जुन घरेलू क्रिकेट में गोवा की ओर से खेलते हैं। उन्होंने आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए खेला है। उन्होंने अपने घरेलू करियर की शुरुआत मुंबई के साथ साल 2020 और 21 सत्र में की थी, जब उन्होंने हरियाणा के खिलाफ एक टी20 मैच में डेब्यू किया था। इससे पहले, उन्होंने जूनियर स्तर पर मुंबई की ओर से खेला था। इसके बाद वह गोवा चले गये थे। वहां उन्होंने फर्स्ट-क्लास और लिस्ट ए क्रिकेट में डेब्यू किया।

'सपना साकार हुआ', तिलक वर्मा ने काउंटी क्रिकेट खेलने के लिए हैम्पशायर का धन्यवाद किया

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत के बाएं हाथ के बल्लेबाज तिलक वर्मा ने कहा कि हैम्पशायर के लिए काउंटी क्रिकेट खेलने के उनके छोटे से कार्यकाल ने उन्हें ऐसे सबक सिखाए हैं जिन्हें वह 'जीवन भर साथ रखेंगे'। वर्मा का सफर शून्य पर आउट होने के साथ समाप्त हुआ, जब हैम्पशायर को वन-डे कप के ग्रुप ए में वॉर्सेस्टरशायर से 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा।

वर्मा ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'बचपन में मैंने काउंटी क्रिकेट खेलने का सपना देखा था। इस साल हैम्पशायर के साथ वह सपना साकार हुआ, यहां मेरे पहले लाल गेंद के अनुभव और एकदिवसीय मैचों ने मुझे ऐसे सबक सिखाए जो मैं जीवन भर साथ रखूंगा, न केवल एक क्रिकेटर के रूप में, बल्कि एक व्यक्ति के रूप में भी। धन्यवाद, हैम्पशायर।'

भारत के लिए दोनों सफेद गेंद प्रारूपों में 29 मैच खेल चुके हैं 22 वर्षीय वर्मा पिछले महीने चार मैचों के काउंटी चैंपियनशिप के लिए हैम्पशायर में शामिल हुए थे। उन्होंने हैम्पशायर के लिए सभी प्रारूपों में 7 मैच खेले, जिनमें 2 शतकों और दो अर्द्धशतकों की मदद से 412 रन बनाए और उनका सर्वोच्च स्कोर 112 रहा। उन्होंने अपने तीन लिस्ट ए मैचों में एक विकेट भी लिया। हैम्पशायर ने उसी पोस्ट में यह भी कहा कि वर्मा ने क्लब को उनकी कल्पना से कहीं ज़्यादा दिया। उन्होंने कहा, 'अपने पहले लाल गेंद के शतक से लेकर हैम्पशायर की जर्सी में उन शानदार पारियों तक, उन्होंने दिखा दिया है कि वह क्रिकेट की सबसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों में से एक क्यों हैं। आंकड़ों से परे तिलक के व्यक्तित्व और गर्मजोशी ने यूटिलिटा बाउल में सभी को सचमुच प्रभावित किया है। उन्होंने हैम्पशायर क्रिकेट को खुले दिल से अपनाया है। इस जादू के लिए शुक्रिया, तिलक। एक बार हैम्पशायर का खिलाड़ी, हमेशा परिवार का हिस्सा।' वर्मा 28 अगस्त से बेंगलुरु में शुरू होने वाली 2025/26 दलीप ट्रॉफी में दक्षिण क्षेत्र का नेतृत्व करेंगे। यह क्षेत्रीय टूर्नामेंट भारत में घरेलू सत्र की शुरुआत का प्रतीक होगा। लेकिन वर्मा को यदि 9 से 28 सितंबर तक संयुक्त अरब अमीरात में खेले जाने वाले पुरुष टी-20 एशिया कप के लिए भारतीय टीम में चुना जाता है तो वह प्रतियोगिता से बाहर हो सकते हैं।

आईसीस नॉकआउट मैचों में रनों के मामले में पहले दो स्थानों पर हैं विराट और रोहित

नई दिल्ली । भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली का आईसीसी के नॉकआउट मैचों में काफी अच्छा रिकार्ड रहा है हालांकि इसके बाद भी इन दोनो को अगले एकदिवसीय विश्वकप में अवसर मिलने की काफी कम संभावनाएं हैं। विश्व कप 2027 की टीम में भले ही इन दोनो को भले ही जगह न मिले पर इनके योगदान को कम आंकना भूल होगा। नॉकआउट मैचों में रनों की बात करें तो इन दोनो की बराबरी कोई अन्य बल्लेबाज नहीं कर पाया है। विराट और रोहित ने कई बड़े स्कोर आईसीसी के नॉकआउट मुकाबलों में बनाये हैं। रोहित ने दो जबकि विराट कोहली ने एक शतक इस दौरान लगाया है। विराट ने तीन जबकि रोहित ने दो अर्धशतक लगाये हैं। विराट के आईसीसी नॉकआउट मैचों में रनों की संख्या 939 है और रोहित शर्मा ने 780 रन बनाए हैं। कोई भारतीय खिलाड़ी इन दोनो के करीब भी नहीं हैं। नॉकआउट मैचों में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में सचिन तेंदुलकर तीसरे भारतीय खिलाड़ी हैं। वहीं आईसीसी नॉकआउट मैचों में सर्वाधिक रन बनाने के मामले में विराट 939 और रोहित 780 रनों के बाद तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग हैं। उन्होंने 731 रन बनाए हैं, जबकि चौथे नंबर पर सचिन तेंदुलकर ने 657 रन बनाए हैं। श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा ने 595 रन आईसीसी के नॉकआउट मैचों में लगाये हैं। विराट कोहली के नाम एक वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड दर्ज है, जबकि रोहित शर्मा ने एक वर्ल्ड कप में 5 शतक जड़ने का विश्व रिकॉर्ड बनाया हुआ है।

भारतीय पैरा-एथलीट खिलाड़ी का मुंह आवारा कुत्ते ने नोचा, रेबीज का इंजेक्शन भी नहीं आया काम, हुई मौत

स्पोर्ट्स डेस्क । भुवनेश्वर में एक पागल कुत्ते के काटने के कारण 33 वर्षीय राष्ट्रीय स्तर के पैरा-एथलीट और एक अन्य व्यक्ति की रेबीज से मौत हो गई। एथलीट जोगेंद्र छत्रिया, 48 वर्षीय किसान ऋषिकेश राणा और स्कूली बच्चों सहित छह लोगों को 23 जुलाई को कुत्ते ने काटा था। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कुत्ते ने बिना किसी उकसावे के हमला किया। छत्रिया के चेहरे पर गंभीर चोटें आईं। घायलों में से चार ठीक हो गए, लेकिन छत्रिया और राणा की हालत बिगड़ती गई और उनकी मृत्यु हो गई। अधिकारियों ने बताया कि दोनों को कुत्ते के काटने के बाद टीके लगाए गए थे, लेकिन छत्रिया के घावों की गंभीरता और स्थान के कारण संक्रमण तेजी से बढ़ा। भीमा भोई मेडिकल कॉलेज के अधीक्षक ने एक बयान में कहा, 'सभी घायलों को भर्ती होने के बाद टीका लगाया गया था।' जोगेंद्र छत्रिया को 23 जुलाई को पहला टीका लगा। लेकिन कुत्ते ने उनके चेहरे पर काटा था, इसलिए संक्रमण तेजी से फैला। अपनी मृत्यु से पहले दोनों पीड़ितों में रेबीज़ के पूरे लक्षण दिखाई दिए। छत्रिया राष्ट्रीय फ्लोरबॉल प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व करने और पैरा-एथलेटिक्स में अपनी उपलब्धियों के लिए जाने जाते थे।

दलीप ट्रॉफी में आकाश दीप की जगह मुख्तार हुसैन शामिल

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज आकाश दीप फिट नहीं होने के कारण इसी माह 28 अगस्त से शुरु होने जा रहे दलीप ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगे। ऐसे में आकाशदीप की जगह पर मुख्तार हुसैन को शामिल किया गया है। आकाश दीप घरेलू क्रिकेट में बंगाल की ओर से खेलते हैं। वह हाल ही में हुए इंग्लैंड दौरे में चोटिल हो गये थे और अभी तक फिट नहीं हुए हैं। आकाश दीप ने इंग्लैंड में भारत की ओर से तीन टेस्ट में 13 विकेट लिए हैं। उन्हें पूर्वी क्षेत्र की टीम में शामिल किया गया था पर अब उनकी जगह पर असम के तेज गेंदबाज मुख्तार को टीम में जगह मिली है। मुख्तार ने अब तक 40 प्रथम श्रेणी मैचों में 132 विकेट लिए हैं। साथ ही 61 पारियों में मुख्तार ने 580 रन भी बनाए हैं। मुख्तार 140 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करते हैं। वह असम से खेलते हैं। मुख्तार हुसैन असम के लिए तीनों प्रारुपों में खेलते हैं। आकाश के नहीं होने से अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी गेंदबाजी आक्रमण की कमान संभालेंगे। वहीं तेज गेंदबाज मुकेश कुमार उनका साथ देंगे। वहीं एक रिपोर्ट में कहा गया है कि आकाश दीप ने पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण दलीप ट्रॉफी से बाहर होने का फैसला लिया है। आकाश दीप ने भारतीय टीम की ओर से इंग्लैंड के खिलाफ 23 फरवरी, 2024 को रांची में टेस्ट डेब्यू किया था। उन्होंने पहली पारी में तीन विकेट लिए थे. उन्होंने अब तक कुल 10 टेस्ट मैच खेले हैं और 28 बल्लेबाजों को आउट किया है। उनके 28 विकेटों में से 10 अकेले एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के दूसरे टेस्ट में आए। इसमें उन्होंने पहली पारी में 4 विकेट और दूसरी पारी में छह विकेट लिए।

दलीप ट्रॉफी 2025 के लिए पूर्वी क्षेत्र की टीम- ईशान किशन (कप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन (उपकप्तान), संदीप पटनायक, विराट सिंह, डेनिश दास, श्रीराम पॉल, शरनदीप सिंह, कुमार कुशाग्र, रियान पराग, उत्कर्ष सिंह, मनीषी, सूरज सिंधु जायसवाल, मुकेश कुमार, मुख्तार हुसैन, मोहम्मद शमी।

स्टैंडबाय- आशीर्वाद स्वैन, वैभव सूर्यवंशी, स्वस्तिक समल, सुदीप के घरामी, और राहल सिंह।

ओलंपिक हॉकी कांस्य पदक विजेता और खेल जगत के दिग्गज वेस पेस का निधन

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता - म्यूनिख में 1972 में खेले गए ओलंपिक खेलों के कांस्य पदक विजेता भारतीय हॉकी टीम के सदस्य और दिग्गज टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस के पिता डॉ. वेस पेस का उम्र संबंधी बीमारियों के कारण गुरुवार सुबह यहां निधन हो गया। वह 80 वर्ष के थे। वेस पेस पार्किंसन रोग से पीड़ित थे। उन्हें मंगलवार सुबह यहां वुडलैंड्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

वेस पेस का अंतिम संस्कार सोमवार या मंगलवार को किया जाएगा, क्योंकि परिवार उनकी बेटियों के आने का इंतजार करेगा, जो दोनों विदेश में बस गई हैं। वेस पेस का विवाह जेनिफर से हुआ था। वह भारतीय बास्केटबॉल खिलाड़ी थीं और राष्ट्रीय टीम की कप्तान भी रह चुकी थीं। बहुमुखी प्रतिभा के धनी वेस पेस विभिन्न भूमिकाओं में लंबे समय तक भारतीय खेलों से जुड़े रहे। वह भारतीय हॉकी टीम में मिडफील्डर थे। उन्होंने फुटबॉल, क्रिकेट और रग्बी जैसे कई खेल भी खेले और 1996 से 2002 तक भारतीय रग्बी फुटबॉल संघ के अध्यक्ष भी रहे।

अप्रैल 1945 में गोवा में जन्मे पेस खेल और शिक्षा दोनों में असाधारण थे और हॉकी में सफल होने के बाद वे खेल चिकित्सा के चिकित्सक बन गए। उन्होंने एशियाई क्रिकेट परिषद, भारतीय क्रिकेट बोर्ड और भारतीय डेविस कप टीम सहित कई खेल निकायों के साथ सलाहकार के रूप में काम किया। वेस पेस उस भारतीय हॉकी टीम के भी सदस्य थे जिसने 1971 में बार्सिलोना में विश्व कप में कांस्य पदक जीता था, लेकिन उसके एक साल बाद मिला ओलंपिक पदक उनके करियर का सबसे महत्वपूर्ण पल था।

ओलंपिक खेल 1972 को फिलिस्तीन के एक उग्रवादी समूह द्वारा 11 इजरायली खिलाड़ियों की हत्या के लिए भी दुखद रूप से याद किया जाता है, जिसके कारण इस खेल को चार दिनों के लिए बंद करना पड़ा था। हॉकी करियर को अलविदा कहने के बाद वेस पेस एक दशक तक भारतीय डेविस कप टीम के टीम डॉक्टर और लिएंडर पेस के मैनेजर भी रहे। लिएंडर पेस ने अपने पिता के कहने पर ही टेनिस में कदम रखा था।

लिएंडर ने भारतीय खेलों को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया और 18 ग्रैंड स्लैम खिताब जीतकर देश के इतिहास में सबसे सफल टेनिस खिलाड़ी बने। लिएंडर के 18 ग्रैंड स्लैम खिताब में आठ पुरुष युगल और 10 मिश्रित युगल खिताब शामिल हैं। लिएंडर ने 1996 के अटलांटा ओलंपिक में पुरुष एकल का कांस्य पदक भी जीता। इस प्रकार उन्होंने हर चार साल में होने वाले इन खेलों में पदक जीतने की पारिवारिक परंपरा को जीवित रखा।

लिएंडर अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाले पहले एशियाई पुरुष टेनिस खिलाड़ी भी हैं। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष और पूर्व डिफेंडर दिलीप टिर्की ने कहा कि पेस सीनियर के निधन से देश में खेल का एक युग समाप्त हो गया है। उन्होंने कहा, 'हॉकी इंडिया के लिए यह एक दुखद दिन है। डॉ. पेस के निधन से हॉकी के एक युग का अंत हो गया है। म्यूनिख में जीता गया ओलंपिक पदक उनके

धैर्य और दृढ़ संकल्प का प्रमाण है।'

टिर्की ने कहा, 'मुझे उनसे कई बार मिलने का सौभाग्य मिला और मैं हमेशा खेलों के प्रति उनके जुनून से प्रेरित रहा। वे देश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के प्रबल समर्थक थे। हॉकी इंडिया की तरफ से हम उनकी पत्नी जेनिफर, बेटे लिएंडर और उनके पूरे परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। हम इस दुःखद घड़ी में उनके साथ हैं।'

वेस पेस 70 और 80 के दशक में कोलकाता की फुटबॉल दिग्गज मोहन बागान और मोहम्मडन स्पोर्टिंग की हॉकी टीमों के लिए भी खेले। उन्होंने ईस्ट बंगाल के तत्कालीन कोच सुभाष भौमिक के आग्रह पर ईस्ट बंगाल फुटबॉल टीम और बाईचुंग भूटिया जैसे खिलाड़ियों के साथ भी काम किया।

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
ईरकान अली (युवा जिलाध्यक्ष)
निवेदक:- राष्ट्रीय लोकदल पार्टी (अमरोहा)

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
देवेन्द्र भाटी (राशन डीलर)
निवेदक:- ग्राम पंचायत आदमपुर, विकास खंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
मोहम्मद दानिश फ़राज़ (इंचार्ज अध्यापक)
निवेदक:- प्राथमिक विद्यालय पीतमपुर, विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
प्रमोद कुमार (इंचार्ज अध्यापक)
निवेदक:- उच्च प्राथमिक विद्यालय खरपड़ी, विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
एडवोकेट रोहताश सिंह (समाजसेवी)
निवेदक:- ग्राम पंचायत चकफेरी, विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
सोहित त्यागी (ग्राम प्रधान)
निवेदक:- ग्राम पंचायत, देहरी गूजर, विकासखंड गंगेश्वरी जनपद अमरोहा

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
सुक्खन राणा (रोजगार सेवक)
निवेदक:- ग्राम पंचायत:- सिमथला, विकास खंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
राजेश यादव (प्रधानाध्यापक)
योगराज हुड्डा (इंचार्ज अध्यापक)
निवेदक:- उच्च प्राथमिक विद्यालय सुवरा, विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
नरेश राणा (राशन डीलर)
राजेंद्र सिंह खड्गवंशी (ब्लॉक प्रमुख) गंगेश्वरी
निवेदक:- ग्राम इकोंदा, (सैदनंगली), जनपद अमरोहा

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
डॉ. आरिफ शमी (सीएचसी प्रभारी)
निवेदक:- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौगांवा सादात, जनपद अमरोहा

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
विनीता चौधरी जिलाध्यक्ष महिला मोर्चा
निवेदक:- भारतीय किसान यूनियन (शक्ति) जनपद हापुड

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
कुंवरपाल सिंह (सभासद)
निवेदक:- वार्ड 12 नगरपालिका परिषद गढमुक्तेश्वर (हापुड)

डॉ सचिन बर्मा की ओर से
समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
डॉ सचिन बर्मा

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
डॉ शालिम (समाजसेवी)

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
पंडित अमर शर्मा उर्फ ऐपी शर्मा (जिला उपाध्यक्ष)
निवेदक:- समाजवादी पार्टी लोहिया बाहिनी संम्भल

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
डॉ. मोनिस चौधरी
निवेदक- दुआ क्लिनिक, रहरा रोड, नकासे वाली गली, हसनपुर (अमरोहा)

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
राकेश सैनी (समाजसेवी)
निवेदक- नगर पालिका परिषद हसनपुर (अमरोहा)

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
डॉ. यशवंत सिंह (फार्मासिस्ट)
निवेदक- वंदना मेडिकल स्टोर, रहरा रोड, तीसरा मील- हसनपुर (अमरोहा)

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
कल्लन सिंह सैनी (ग्राम प्रधान)
निवेदक:- ग्राम पंचायत कायमपुर करार नगर, ब्लॉक अमरोहा, जिला अमरोहा

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
लोकेश (ग्राम प्रधान)
निवेदक:- ग्राम पंचायत डोमखेड़ा, विकास खंड हसनपुर, जनपद अमरोहा

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
रानी देवी पत्नी योगराज (राशन डीलर)
निवेदक:- ग्राम नौगांवा तंगा, तहसील नौगांवा सादात, जनपद अमरोहा

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
पंकज शर्मा (ग्राम पंचायत सचिव)
निवेदक:- विकास खंड अमरोहा, जनपद अमरोहा

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
प्रियांशु वर्मा (ग्राम पंचायत सचिव)
निवेदक:- विकास खंड अमरोहा, जनपद अमरोहा

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
पवन कुमार (प्रधानाध्यापक)
ब्लॉक अध्यक्ष राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ
निवेदक:- प्राथमिक विद्यालय बिजनपुर, विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
डॉ. फुरकान अली (समाजसेवी)
निवेदक:- नगर पालिका परिषद गजरौला, जनपद अमरोहा

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
डॉ. विनोद खड़गवंशी
निवेदक- एडवांस फिजियोथैरेपी एंड दर्द निवारण केंद्र, तीसरा मील- हसनपुर (अमरोहा)

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
डॉ. राजकुमार चौहान
निवेदक- दू सेवा क्लिनिक/ साउथ इंडियन स्पाइसी तड़का फैमिली रेस्टोरेंट, कमाल प्लेस मैरिज हॉल के पीछे, हसनपुर (अमरोहा)

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
आलोक चौहान (जिलाध्यक्ष) मुरादाबाद
आर डी एच फाउंडेशन

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
आकाश चौहान (जिलाध्यक्ष) अमरोहा
आर डी एच फाउंडेशन

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
अमित चौहान (ग्राम अध्यक्ष)
सायपुर चौधरी आर डी एच फाउंडेशन

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
मनीषा शर्मा (महिला जिलाध्यक्ष)
गौतमबुद्ध नगर आर डी एच फाउंडेशन

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
नीतू चौहान (ग्राम अध्यक्ष) सलारपुर
आर डी एच फाउंडेशन

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
संदीप चौहान (जिलाध्यक्ष) रामपुर
आर डी एच फाउंडेशन

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
सोनू राजपूत (जिलाध्यक्ष) कानपुर
आर डी एच फाउंडेशन

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
जौली चौहान (दिल्ली प्रदेश महिला अध्यक्ष)
आर डी एच फाउंडेशन

संक्षिप्त समाचार

चेक गणराज्य के राष्ट्रपति से चीन ने खत्म किए रिश्ते

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने मंगलवार को चेक गणराज्य के राष्ट्रपति पेट्र पावेल के साथ सभी संबंध समाप्त करने की घोषणा की है। चीन ने यह फैसला राष्ट्रपति पावेल के दलाई लामा से मिलने के बाद लिया है। मुलाकात से बिलबिलाए चीनी विदेश मंत्रालय ने इस मुलाकात पर गहरा खेद और कड़ा विरोध जताते हुए चेक गणराज्य के सामने एक आधिकारिक विरोध भी दर्ज कराया है। चीन के मंत्रालय ने कहा कि पावेल ने चीन के बार-बार के विरोध और आपत्ति को नजरअंदाज करते हुए भारत में दलाई लामा से मुलाकात की। यह मुलाकात चीन की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाती है और यह राजनीतिक प्रतिबद्धता का उल्लंघन है। पेट्र पावेल ने 27 जुलाई को लद्दाख में दलाई लामा से मुलाकात की थी।

चीन के सरकारी व सैन्य सुरक्षा कार्यों में एनविडिया चिप के इस्तेमाल पर रोक

बीजिंग, एजेंसी। चीनी अधिकारियों ने स्थानीय कंपनियों से एनविडिया के एच-20 चिप का इस्तेमाल सरकारी व सुरक्षा कार्यों के लिए नहीं करने की अपील की है। एनविडिया ने कहा कि एच-20 सेना या सरकार के प्रयोग में आने वाला उत्पाद नहीं है। बयान के अनुसार, चीन के पास अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए घरेलू चिप्स की पर्याप्त आपूर्ति है। वह सरकारी कार्यों के लिए अमेरिकी चिप्स पर निर्भर नहीं रहेगा और न ही कभी रहा है। ठीक उसी तरह जैसे अमेरिकी सरकार चीन से आने वाले चिप्स पर निर्भर नहीं रहेगी। बता दें कि अमेरिका ने पिछले ही महीने चीन को एच-20 चिप बेचने पर लगा प्रतिबंध हटाया था।

पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पैरवी को लेकर वरिष्ठ वकील की याचिका अदालत से खारिज

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की एक विशेष अदालत ने मंगलवार को वरिष्ठ वकील जेडआई खान पन्ना की याचिका को खारिज कर दिया। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की ओर से पैरवी करने की अनुमति मांगी थी। हसीना पर मानवता के खिलाफ अपराध के आरोप में अनुपस्थित रहते हुए मुकदमा चल रहा है। देश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी-बीडी) के अध्यक्ष गुलाम मुर्तजा मजूमदार ने कहा, राज्य ने शेख हसीना के लिए एक वकील नियुक्त कर दिया है, यह मामला खत्म हो चुका है। उन्होंने कहा कि यह तय करना न्यायाधिकरण का काम है कि कौन वकील नियुक्त होगा।

ट्रंप से मुलाकात से पहले पुतिन ने उत्तर कोरियाई नेता से की बात

मास्को, एजेंसी। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच फोन पर बात हुई। दोनों नेताओं की यह बातचीत ऐसे समय हुई, जब पुतिन 15 अगस्त को अलास्का में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से मिलने वाले हैं। दोनों नेताओं के बीच यूक्रेन युद्ध पर बात होगी। पुतिन और किम के बीच हुई बातचीत में दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा हुई। कोरिया के सरकारी मीडिया के अनुसार, बातचीत में पुतिन ने उत्तर कोरियाई सैनिकों की बहादुरी और आत्म बलिदान की भावना की जमकर तारीफ की। गौरतलब है कि उत्तर कोरिया के कई सैनिकों ने रूस की तरफ से यूक्रेन युद्ध में लड़ाई लड़ी। बातचीत में पुतिन ने उत्तर कोरियाई नेता के साथ ट्रंप के साथ होने वाली बैठक को लेकर भी जानकारी साझा की। किम ने पुतिन से कहा कि प्योंगयांग भविष्य में भी रूसी नेतृत्व द्वारा उठाए जाने वाले सभी कदमों का पूरा समर्थन करेगा। उन्होंने पिछले साल शिखर सम्मेलन के दौरान हुई रणनीतिक साझेदारी के तहत सभी क्षेत्रों में संबंधों को आगे बढ़ाने पर भी चर्चा की।

भारत और पाकिस्तान दोनों के साथ संबंधों में कोई बदलाव नहीं हुआ है-टैमी ब्रूस

वाशिंगटन, एजेंसी। पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर के हालिया अमेरिका दौरे के दौरान दिए गए परमाणु युद्ध के धमकी भरे बयान के बाद अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि उसका भारत और पाकिस्तान दोनों के साथ संबंधों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने कहा कि अमेरिकी कूटनीतिक दल दोनों देशों के प्रति समान रूप से प्रतिबद्ध है।

जनरल मुनीर बीते दो महीनों में दूसरी बार अमेरिका पहुंचे थे। उसने वॉशिंगटन से बयान देते हुए भारत पर परमाणु हमला करने और आधी दुनिया को तबाह करने की धमकी दी थी। यह माना जा रहा है कि यह पहली बार है जब किसी तीसरे देश को अमेरिकी धरती से परमाणु हमले की खुली चेतावनी दी गई है। ब्रूस ने इस मौके पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे को भी दोहराया, जिसमें उन्होंने हालिया भारत-पाकिस्तान सैन्य संघर्ष के बाद अमेरिका की सुलह में भूमिका को बहुत गर्व का पल बताया था। ब्रूस ने कहा, हमने तुरंत उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, राष्ट्रपति ट्रंप और विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ मिलकर हमलों को रोकने और दोनों पक्षों को साथ लाने का काम किया। यह हमारे लिए गर्व का क्षण है।इस दौरान उनसे पूछा गया कि क्या ट्रंप और मुनीर की मुलाकात के बाद अमेरिका पाकिस्तान को अधिक सैन्य मदद और हथियार बिक्री करेगा। इस सवाल के जवाब में ब्रूस ने कहा, हमारा भारत और पाकिस्तान दोनों के साथ संबंध अच्छे हैं और अपरिवर्तित रहेंगे। हमारे राजनयिक दोनों देशों के प्रति प्रतिबद्ध हैं। ब्रूस ने मंगलवार को इस्लामाबाद में हुई अमेरिका-पाकिस्तान काउंटर-टेररिज्म डायलॉग का उल्लेख करते हुए बताया कि दोनों देशों ने हर प्रकार के आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में साझा प्रतिबद्धता दोहराई है।

जापान की आबादी में लगातार गिरावट

2024 में आबादी में 9 लाख से ज्यादा की गिरावट आ गई

टोक्यो, एजेंसी। दुनिया के ऐसे कई देश हैं, जहां आबादी का संकट गहरा रहा है। इनमें भारत का मित्र देश जापान प्रमुख है, जहां आबादी लगातार 16वें साल गिरी है। 2024 में जापान की आबादी में 9 लाख से ज्यादा की गिरावट आ गई। इसका अर्थ हुआ कि देश में पैदा होने वाले लोगों से कहीं ज्यादा संख्या मरने वालों की है। यदि ऐसी ही स्थिति जारी रही तो जापान आने वाले कुछ सालों में अस्तित्व के संकट से जूझ रहा होगा। जापान को स्वस्थ लोगों और दीर्घायु जीवन के लिए जाता है। लेकिन लगातार युवा आबादी कम होना और बुजुर्गों की संख्या में इजाफा होना वहां के स्वास्थ्य ढांचे पर भी बोझ बढ़ा रहा है।

ऐसे हालात को जापान के पीएम शिगेरू इशिबा ने साइलेंट इमरजेंसी करार दिया है। उनका कहना है कि देश में इंसानों की आबादी का संकट गहरा रहा है। उन्होंने कहा कि हम फैमिली फ्रेंडली पॉलिसीज पर और फोकस करेंगे, जैसे फ्री चाइल्डकेयर और वर्किंग आवर्स के मामले में लचीला रुख अपनाया जाएगा। अब भी जापान में ऐसी कई नीतियां हैं, लेकिन महिलाएं ज्यादा बच्चे पैदा करने के लिए राजी नहीं हैं। यही नहीं जापान में महिलाओं की ऐसी बड़ी संख्या है, जिन्होंने एक भी बच्चे को जन्म नहीं दिया है और ना ही देना चाहती हैं।

जापान में फिलहाल जन्मदर 1.2 है। डराने वाला आंकड़ा यह है कि वर्ष 2024 में जापान में सिर्फ 6,86,061 बच्चों का ही जन्म हुआ तो वहीं 1.6 मिलियन लोगों की मौत हो गई। इस तरह पैदा होने वालों की तुलना में 10 लाख ज्यादा लोगों की मौत हो गई। सीधे-सीधे कहें तो एक बच्चा पैदा हुआ तो दो लोग मर गए। फिलहाल जापान की आबादी 12 करोड़ है और यदि इसी तरह संख्या में कमी आती रही तो देश में मानव संसाधन का ही संकट पैदा हो जाएगा। इससे अर्थव्यवस्था से लेकर सामान्य मानवीय जीवन तक कठिन होगा। जापान में बीते 125 सालों के इतिहास में 2024 में सबसे कम बच्चे पैदा हुए हैं।

इसके अलावा यह लगातार 16वां साल है, जब जापान की आबादी में इतनी बड़ी गिरावट आई है। यह स्थिति तब है, जबकि जापान में बड़ी संख्या में विदेशी बस गए हैं। 1 जनवरी, 2025 के डेटा के अनुसार जापान की कुल आबादी में 3 फीसदी हिस्सेदारी बाहरी लोगों की है। बीते एक साल के अंदर ही जापान की कुल आबादी में 0.44 फीसदी की कमी आई है।

साउथ कोरिया की पूर्व फर्स्ट लेडी भ्रष्टाचार केस में गिरफ्तार

सियोल, एजेंसी। साउथ कोरिया की पूर्व फर्स्ट लेडी किम की-हुई को मंगलवार (12 अगस्त) को भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार कर लिया गया। अदालत में करीब पांच घंटे की सुनवाई के बाद कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी का वारंट जारी किया। अभियोजन पक्ष का कहना है कि किम ने भ्रष्टाचार मामले की जांच में हस्तक्षेप किया। उन पर स्टॉक फ्रॉड, रिश्वत लेने और गैरकानूनी दबाव डालने जैसे गंभीर आरोप हैं।

गिरफ्तारी के बाद अब किम अपने पति और पूर्व राष्ट्रपति यून सुक-योल के साथ जेल में होंगी। योल मार्शल लॉ लगाने के मामले में मुकदमे का सामना कर रहे हैं।किम एक पशु अधिकार कार्यकर्ता के रूप में भी जानी जाती हैं और उन्होंने अपने पति के राष्ट्रपति कार्यकाल में देश में कुत्ते के मांस की खपत खत्म करने का वादा किया था। मई 2024 में उन्हें पैरोल मिली थी। 2022 में स्पेन में हुए नाटो समिट में उनकी मौजूदगी के बाद उन्हें अंतराष्ट्रीय मीडिया ने फैशन आइकन कहा था।

किम और यून की शादी 2012 में हुई थी। उनके कोई बच्चे नहीं हैं, लेकिन उनके पास करीब छह कुत्ते और पांच बिल्लियां हैं। 2022 में यून के

राष्ट्रपति चुने जाने के बाद किम ने खुद को फर्स्ट लेडी के बजाय राष्ट्रपति की पत्नी' कहलाना पसंद किया था। किम जब स्कूल में थीं तब उनके पिता का निधन हो गया था। उनकी मां, चोई यूं-सन, पर बिना मेडिकल लाइसेंस के वृद्धाश्रम चलाने का आरोप लगा था, जिसमें वह बरी हो गईं, लेकिन एक रियल एस्टेट धोखाधड़ी मामले में उन्हें सजा हुई।

पहली बार ऐसा : विश्लेषकों का कहना है कि यह घटना दक्षिण कोरिया की राजनीति में भ्रष्टाचार विरोधी सख्ती का संकेत है। साउथ कोरिया में पहले भी कई पूर्व राष्ट्रपतियों पर मुकदमे हुए हैं, लेकिन पति-पत्नी दोनों का एक साथ सलाखों के पीछे जाना इतिहास में पहली बार है। यह देश की राजनीतिक संस्कृति, न्यायपालिका की स्वतंत्रता और सत्ता में बैठे लोगों की जवाबदेही पर गंभीर बहस छेड़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह मामला खासा सुर्खियां बटोर रहा है, क्योंकि साउथ कोरिया की छवि एक सख्त लोकतांत्रिक और पारदर्शी देश की रही है। वहीं, विपक्ष इसे सरकार का प्रतिशोध बता रहा है।

इससे पहले भी राष्ट्रपति गए जेल : 2004 - रोह मू-ह्यून राष्ट्रपति रहते हुए महाभियोग का सामना किया। हालांकि बाद में बहाल हो गए। बाद में 2009 में भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के बीच उन्होंने आत्महत्या कर ली।

2008 - ली म्युंग-बाक को 2018 में रिश्वतखोरी और गबन के आरोप में 15 साल की सजा सुनाई गई। 2022 में स्वास्थ्य आधार पर अस्थायी रिहाई मिली।

2017-पार्क ग्युन-हे को भ्रष्टाचार और सत्ता के दुरुपयोग के मामले में 25 साल की सजा। 2021 में राष्ट्रपति माफी के तहत रिहाई मिली।

2023 - मून जे-इन पर कार्यकाल खत्म होने के बाद भाई पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे, लेकिन खुद जांच से बचे।

मैक्सिको ने 26 ड्रग कार्टेल सरगनाओं को किया अमेरिका के हवाले; ट्रंप प्रशासन के भारी दबाव के बाद कार्रवाई

न्यूयॉर्क, एजेंसी। मैक्सिको ने एक बड़े सुरक्षा अभियान के तहत 26 कुख्यात ड्रग कार्टेल सरगना और अपराधियों को अमेरिका को सौंप दिया है। यह कदम ट्रंप प्रशासन के साथ हुए समझौते के तहत उठाया गया है। इन सभी पर मादक पदार्थों की तस्करी, हत्या और अन्य गंभीर अपराधों के आरोप हैं।

सूत्रों के मुताबिक, अमेरिका को सौंपे गए लोगों में अबीगेल गोंजालेज वेलेंसिया भी शामिल हैं, जो लॉस कुइनिस गैंग के नेता हैं। यह गैंग मैक्सिको के सबसे खतरनाक कार्टेल, जलिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल (सीजेएनजी) से जुड़ा हुआ है। एक अन्य आरोपी रोबर्टो सालाजार पर 2008 में लॉस एंजेलिस काउंटी के एक शेरिफ डिप्टी की हत्या का आरोप है। अमेरिकी न्याय विभाग ने आश्वासन दिया है कि इन मामलों में मृत्युदंड की मांग नहीं की जाएगी।

यह पहली बार नहीं है जब मैक्सिको ने इतने बड़े स्तर पर कार्टेल सरगना सौंपे हैं। इसी साल फरवरी में भी मैक्सिको ने 29 अपराधियों को अमेरिका को सौंपा था, जिनमें कुख्यात ड्रग माफिया राफेल कारो क्विंटेरो भी शामिल था। उस समय यह कार्रवाई ट्रंप प्रशासन के दबाव में हुई थी, जब मैक्सिकन आयात पर 25% टैरिफ लागू होने वाला था। हाल ही में ट्रंप और मैक्सिकन राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम के बीच हुई बातचीत के बाद 30% टैरिफ को 90 दिनों के लिए टाल दिया गया।

मैक्सिको का रुख : यह पहली बार नहीं है जब मैक्सिको ने इतने बड़े स्तर पर कार्टेल सरगना सौंपे हैं। इसी साल फरवरी में भी मैक्सिको ने 29 अपराधियों को अमेरिका को सौंपा था, जिनमें कुख्यात ड्रग माफिया राफेल कारो क्विंटेरो भी शामिल था। उस समय यह कार्रवाई ट्रंप प्रशासन के दबाव में हुई थी, जब मैक्सिकन आयात पर 25% टैरिफ लागू होने वाला था।

लॉस एंजिलिस में बुजुर्ग सिख व्यक्ति को बेरहमी से पीटा, पुलिस ने घृणा अपराध मानने से किया इनकार

लॉस एंजिलिस, एजेंसी। अमेरिका के लॉस एंजेलिस में एक बुजुर्ग सिख व्यक्ति को बेरहमी से पीटने का मामला सामने आया है। हमले में बुजुर्ग के सिर में फ्रैक्चर और संभावित मस्तिष्क आघात हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि हमले के संदिग्ध आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि घटना 4 अगस्त की है, जब 70 वर्षीय बुजुर्ग हरपाल सिंह लॉस एंजिलिस में सिख गुरुद्वारे के पास सैर कर रहे थे। उसी दौरान एक रिचर्ड विटाग्लियानो नामक व्यक्ति ने हरपाल सिंह पर हमला कर दिया। रिचर्ड बेघर है।

घृणा अपराध न मानने पर लोगों में नाराजगी : लॉस एंजिलिस पुलिस ने मंगलवार को बताया कि 44 वर्षीय विटाग्लियानो को हरपाल सिंह पर निर्मम हमले के लिए सोमवार को गिरफ्तार किया गया। विटाग्लियानो पर घातक हथियार से हमला करने का मामला दर्ज किया गया है और उसकी जमानत 11 लाख अमेरिकी डॉलर तय की गई है। वहीं सिख अधिकार समूह द सिख कोलिशन ने कहा कि सिंह पर हुए क्रूर हमले के लिए संदिग्ध हिरासत में है, लेकिन पुलिस इस मामले की घृणा अपराध के रूप में जांच नहीं कर रही है। संगठन और समुदाय के कई लोगों ने इसे घृणा अपराध न मानने पर नाराजगी जताई। हमले के दौरान हरपाल सिंह को बहुत गंभीर चोटें आई हैं और उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

संपत्ति का विवाद बताया जा रहा : पुलिस ने

बताया कि हरपाल सिंह और विटाग्लियानो के बीच मारपीट हुई थी।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उन्होंने यह नहीं देखा कि मारपीट कैसे शुरू हुई। विटाग्लियानो, सिंह पर हमला कर रहा था और जब लोगों ने हस्तक्षेप किया तो आरोपी मौके से फरार हो गया। इसके बाद हरपाल सिंह को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। फिलहाल सिंह अस्पताल में ही भर्ती हैं। विटाग्लियानो पर नशीले पदार्थों, घातक हथियार से हमले और विभिन्न हथियारों से जुड़े आरोपों का एक लंबा आपराधिक रिकॉर्ड है। इस मामले में मिले सबूतों के आधार पर, पुलिस का मानना है कि यह हमला नफरत से प्रेरित अपराध नहीं था, बल्कि पीड़ित और आरोपी के बीच संपत्ति को लेकर हुए विवाद था।

वेनेजुएलाई राष्ट्रपति की ट्रम्प को चुनौती, गिरफ्तार करके दिखाओ

कहा- मैं इंतजार कर रहा, देर मत करना, अमेरिका ने 50 मिलियन डॉलर का इनाम रखा

काराकस, एजेंसी। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प को उन्हें गिरफ्तार करने की चुनौती दी है। मादुरो ने सोमवार को एक भाषण में कहा- मुझे गिरफ्तार करने आओ, मैं यही मिराफ्लोरेस (राष्ट्रपति भवन) में तुम्हारा इंतजार करूंगा। देर मत करना कायरों। अमेरिका ने मादुरो पर 7 जुलाई को 50 मिलियन डॉलर यानी करीब 420 करोड़ रुपए का इनाम रखा था। अमेरिका ने मादुरो से जुड़े 700 मिलियन डॉलर से अधिक की संपत्ति जब्त की है। इसमें दो प्राइवेट जेट भी शामिल हैं।

ट्रम्प प्रशासन का आरोप है कि मादुरो ड्रग तस्कर हैं और ड्रग कार्टेल के साथ मिलकर अमेरिका में फेंटानिल मिला कोकीन भेज रहे हैं। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि मादुरो को पास 7 टन कोकीन है, जिसे वे अमेरिका भेजने की तैयारी कर रहे हैं।

मादुरो बोले- अमेरिका को करारा जवाब मिलेगा : निकोलस मादुरो ने राजधानी काराकस में राजनीतिक नेताओं और सेना प्रमुखों की मौजूदगी में अमेरिका को ऐसा न करने की चेतावनी दी। उन्होंने अमेरिकी नेताओं से कहा कि वे ऐसा करने की कोशिश भी न करें क्योंकि तब उन्हें ऐसा जवाब मिलेगा

जिससे अमेरिकी साम्राज्य का अंत भी हो सकता है। सेना प्रमुख डोमिंगो हर्नांडेज लारेज ने मादुरो का समर्थन करते हुए कहा कि सेना उनके साथ हैं। उन्होंने कहा, अमेरिका हॉलीवुड की किसी वेस्टर्न फिल्म की तरह हमारे राष्ट्रपति के लिए इनाम का ऐलान करता है, यह हमारे लिए अपमानजनक है। वहीं, वेनेजुएला के विदेश मंत्री इवान गिल ने भी मादुरो पर दोगुना इनाम लगाने के फैसले पर नाराजगी जताई। उन्होंने इसे राजनीतिक दुष्प्रचार अभियान करार दिया।

मदुरो पर 2020 में नार्को टेररिज्म के आरोप लगे थे : मदुरो पर 2020 में मैनहैटन की संघीय अदालत में नार्को-टेररिज्म और कोकीन तस्करी की साजिश के आरोप तय किए गए थे। उस समय ट्रम्प प्रशासन ने उनकी गिरफ्तारी पर 1.5 करोड़ डॉलर का इनाम रखा था। इसे बाद में बाइडेन प्रशासन ने बढ़ाकर 2.5 करोड़ डॉलर कर दिया। इतना इनाम अमेरिका ने 9/11 हमलों के बाद ओसामा बिन लादेन की गिरफ्तारी पर रखा था। मदुरो 2013 से वेनेजुएला की सत्ता में बने हुए हैं। अमेरिका, यूरोपीय यूनियन और लैटिन अमेरिकी देश उन पर चुनावों में धोखाधड़ी का आरोप लगाते रहे हैं। 2024 में हुए राष्ट्रपति चुनाव में इन देशों ने मदुरो पर धांधली का आरोप लगाया था।

कोलंबिया ने वेनेजुएला राष्ट्रपति का समर्थन किया : इस बीच कोलंबिया भी वेनेजुएला के समर्थन में आ गया है। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने चेतावनी दी है कि वेनेजुएला पर अमेरिकी हमला उनके देश पर हमला माना जाएगा।

सोशल मीडिया पर उन्होंने लिखा कि हालात चाहे जितने भी उथल-पुथल वाले हों, हम वेनेजुएला की संप्रभुता की रक्षा करेंगे। एक और संदेश में पेट्रो ने कहा कि कोलंबिया और वेनेजुएला एक ही लोग, एक ही झंडा और एक ही इतिहास साझा करते हैं। पेट्रो ने अमेरिका तथा वेनेजुएला दोनों से अपील की है कि वे राष्ट्रीय संप्रभुता से समझौता किए बिना मिलकर नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि नशा तस्करी और पूंजीवाद का लालच खत्म होना चाहिए।

आयरलैंड के राष्ट्रपति हिगिंस ने भारतीयों पर हमलों की निंदा की

डबलिन/लंदन, एजेंसी। आयरलैंड के राष्ट्रपति माइकल डी हिगिंस ने मंगलवार को भारतीयों पर हुए घृणित हमलों की निंदा की। वहां भारतीयों के योगदान का भी जिक्र किया। हिगिंस ने कहा कि ये हमले आयरलैंड के मूल्यों के बिल्कुल विपरीत हैं। उनका यह बयान डबलिन और अन्य शहरों में भारतीयों पर हुए हिंसक हमलों के बाद आया है। हिगिंस ने कहा, भारत के लोगों को हम प्रिय मानते हैं।

आयरलैंड में किसी भी व्यक्ति, खासकर किसी युवा को छल-कपट या उकसावे के जरिये इस तरह के व्यवहार में घसीटने की कड़ी निंदा होनी चाहिए। चाहे ऐसा उकसावा अज्ञानता से उपजा या दुर्भावना से, इससे होने वाले नुकसान को स्वीकार करना जरूरी है। ऐसे कृत्य हमे कमजोर करते हैं। राष्ट्रपति हिगिंस ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे भारतीय चिकित्सा, नर्सिंग, देखभाल संबंधी व्यवसायों, सांस्कृतिक जीवन, व्यापार और उद्यम जैसे कुछ क्षेत्रों में योगदान देते हैं। उन्होंने कहा कि भारतीयों की उपस्थिति, कार्य, संस्कृति हमारे जीवन के लिए समृद्धि और उदारता का स्रोत रही है। राष्ट्रपति ने कहा, आयरलैंड के भारत के साथ संबंध न तो नए हैं और न ही सतही।

आयरिश राष्ट्रपति ने इस वर्ष की शुरुआत में भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ अपनी मुलाकात का भी जिक्र किया, जहां उन्होंने साझा भारत-आयरिश इतिहास और स्वतंत्रता प्राप्ति के रास्तों के अनुभवों पर चर्चा की। हिगिंस ने कहा, आयरलैंड लंबे समय से बाहरी और आंतरिक दोनों तरह के प्रवासन से प्रभावित रहा है।

इजरायल की सेना ने फिलिस्तीनी कैदियों का किया यौन उत्पीड़न: यूएन

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने इजरायल और रूस को सख्त चेतावनी दी है कि उनके सशस्त्र बल और सुरक्षा कर्मी युद्ध के क्षेत्रों में यौन हिंसा कर रहे हैं। दोनों देशों को आगाह करते हुए संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कहा है कि ऐसी हरकतों के लिए दोनों ही देशों को विश्वसनीय रूप से संदिग्ध पक्षों की लिस्ट में शामिल किया जा सकता है। युद्ध क्षेत्र में यौन हिंसा पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को अपनी वार्षिक रिपोर्ट में गुटेरेस ने कहा कि इजरायल और रूस को अगले साल उस लिस्ट में शामिल किया जा सकता है जिन पर बलात्कार या अन्य प्रकार की यौन दुराचार और हिंसा करने या उसके लिए ज़िम्मेदार होने के विश्वसनीय संदेह है।

अल जज़ीरा की रिपोर्ट के अनुसार, इजरायल को अपनी चेतावनी में गुटेरेस ने कहा कि वह कई जेलों, एक हिरासत केंद्र और एक सैन्य अड्डे में फ़िलिस्तीनियों के ख़िलाफ इजरायली सशस्त्र और सुरक्षा बलों द्वारा उल्लंघनों की विश्वसनीय जानकारी को लेकर गंभीर रूप से चिंतित हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि गुटेरेस ने लिखा, संयुक्त राष्ट्र द्वारा दर्ज मामलों में यौन हिंसा के पैटर्न जैसे जननांगों पर चोट और हिंसा, लंबे समय तक जबरन नग्न करके रखना और बार-बार कपड़े उतरवाकर अपमानजनक तरीके से तलाशी लेने की बात सामने आई है।

यौन हिंसा रोकने के लिए तुरंत कदम उठाएं : यूएन चीफ ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि चूँकि इजरायल ने संयुक्त राष्ट्र के पर्यवेक्षकों को पहुँच देने से इनकार कर दिया है, इसलिए उसके बलों द्वारा यौन हिंसा के पैटर्न, ट्रेंड के बारे में निर्णय लेना चुनौतीपूर्ण रहा है। उन्होंने इजरायल सरकार से उसके सैनिकों द्वारा किए जा रहे यौन हिंसा के सभी कृत्यों को तत्काल रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने और समयबद्ध तरीके से लागू करने का आग्रह किया है। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने कहा कि इनमें विश्वसनीय आरोपों की जाँच, सैन्य और सुरक्षा बलों के लिए यौन हिंसा को प्रतिबंधित करने वाले स्पष्ट आदेश और आचार

संहिताएँ, और संयुक्त राष्ट्र पर्यवेक्षकों के लिए निर्बाध पहुँच शामिल होनी चाहिए।

यौन, प्रजनन और अन्य लिंग-आधारित हिंसा के आरोप : मार्च में संयुक्त राष्ट्र समर्थित मानवाधिकार विशेषज्ञों ने इजरायल पर यौन, प्रजनन और अन्य लिंग-आधारित हिंसा का आरोप लगाया था। अल जज़ीरा की रिपोर्ट के अनुसार, पूर्वी यरुशलम समेत अधिकृत फ़िलिस्तीनी क्षेत्र और इजरायल पर स्वतंत्र अंतर्राष्ट्रीय जाँच आयोग ने कहा कि उसने फ़िलिस्तीनी महिलाओं, पुरुषों, लड़कियों और लड़कों के ख़िलाफ़ किए गए कई उल्लंघनों का दस्तावेजीकरण किया है, और इज़रायली बलों पर फ़िलिस्तीनी बंदियों के ख़िलाफ़ बलात्कार और यौन हिंसा के आरोप लगाए हैं।

यूएन में इजरायली दूत ने आरोपों को किया खारिज : दूसरी तरफ, संयुक्त राष्ट्र में इज़रायल के राजदूत डैनी डैनन ने मंगलवार को यूएन महासचिव की चिंताओं को निराधार आरोप बताकर खारिज कर दिया। डैनन, जिन्होंने गुटेरेस से प्राप्त एक पत्र और संयुक्त राष्ट्र प्रमुख को दिए गए अपने जवाब को प्रसारित करते हुए कहा कि ये आरोप पक्षपातपूर्ण हैं।

इज़रायली राजदूत ने कहा, संयुक्त राष्ट्र को हमास के चौंकाने वाले युद्ध अपराधों और यौन हिंसा और सभी बंधकों की रिहाई पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। डैनन ने जोर देकर कहा कि इजरायल अपने नागरिकों की सुरक्षा करने से पीछे नहीं हटेगा और अंतर्राष्ट्रीय कानून के अनुसार कार्य करना जारी रखेगा।

रूसी सैनिकों के दुर्व्यवहार पर भी चिंता : रूस के मामले में, गुटेरेस ने लिखा कि वह रूसी सशस्त्र और सुरक्षा बलों और संबद्ध सशस्त्र समूहों द्वारा उल्लंघनों की विश्वसनीय जानकारी को लेकर, मुख्य रूप से यूक्रेन और रूस में 50 आधिकारिक और 22 अनौपचारिक हिरासत केंद्रों में यूक्रेनी युद्धबंदियों के ख़िलाफ गंभीर रूप से चिंतित हैं। उन्होंने कहा, इन मामलों में जननांग हिंसा की कई घटनाएँ शामिल थीं, जिनमें बिजली का झटका देना, जननांगों पर हमला, उसे जलाना, जबरन कपड़े उतरवाना और लंबे समय तक नग्न करके रखना शामिल है। न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र में रूसी मिशन ने रिपोर्ट पर टिप्पणी के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया। गुटेरेस ने कहा कि रूसी अधिकारियों ने इस मामले पर उनके विशेष दूत से कोई बातचीत नहीं की है।

प्रस्तुति
मनोज कुमार

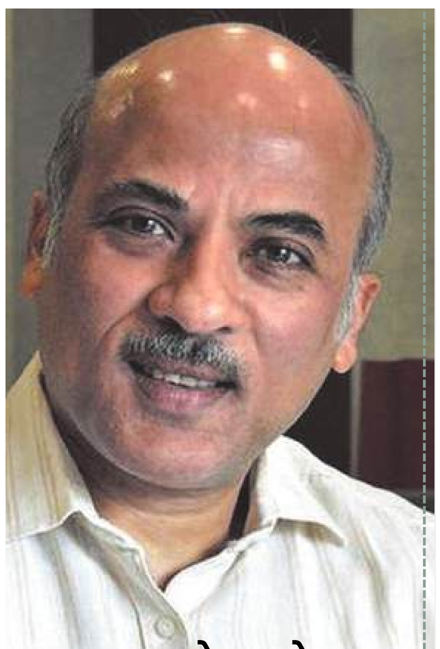

सलमान से पहले आयुष्मान की फिल्म, सूरज बोले- चाहता हूं प्रेम लौटे तो दर्शकों के दिल तक पहुंचे

अपने नए शो 'मनपसंद की शादी' पर चर्चा करते हुए सूरज बड़जात्या कहते हैं, 'काफी वक्त से मेरे दिमाग में एक सोच थी। एक ऐसी कहानी बनाना चाहता था, जिसमें आज के दौर बच्चों और शादी को लेकर उनका नजरिया पेश किया जाए। चैनल वाले मेरे पास एक साल की रिसर्च लेकर आए थे, जिसमें छोटे शहरों के लड़के-लड़कियों से पूछा गया था कि वे कैसी शादी चाहते हैं? वहीं से 'मनपसंद की शादी' का कॉन्सेप्ट बना।' बड़जात्या ने आगे बताया, 'आज के बच्चे कहते हैं- हम अपने लिए साथी खुद चुनेंगे, लेकिन भागकर शादी नहीं करना चाहते। लिस्ट बनाएंगे, परखेंगे, फिर पेरेंट्स से मिलवाएंगे और जिम्मेदारी भी निभाएंगे। यही सोच इस शो की नींव है।'

शादियों की अहमियत कायम है

बड़जात्या मानते हैं कि समय के साथ परिवार का ढांचा बदला है, लेकिन उसकी अहमियत नहीं। उन्होंने कहा, 'आज अगर मैं सोचूं कि 15-20 लोग एक ही घर में रहते हैं तो शायद कई लोगों के लिए यह बड़ी बात होगी। आज परिवार भले ही छोटे हो गए हैं, पर उनकी अपनी अहमियत है। शादियों की भी अपनी अहमियत होती है। बदला कुछ नहीं है।'

टीआरपी के लिए दिखावा नहीं, अच्छा कंटेंट चाहिए

टीवी पर टीआरपी को लेकर होने वाले दबाव के बारे में सूरज ने कहा, 'टीआरपी का दबाव आपके काम का हिस्सा है, पर सिर्फ टीआरपी बढ़ाने के लिए नकली ड्रामा करना, लंबे समय तक नहीं चलता। कहानी अच्छे से पेश की जाए तो वह अपनी टीआरपी खुद लाती है।'

सलमान की फैमिली फिल्म में वक्त लगेगा

यह पूछे जाने पर कि क्या सलमान खान के साथ फिर काम करेंगे? सूरज बड़जात्या ने कहा, 'हम पूरी कोशिश कर रहे हैं कि सलमान हमारी आने वाली फिल्म का हिस्सा बनें। कहानी पर भी काम चल रहा है। हालांकि, सच्चाई ये भी है कि सलमान भाई के लिए एक्शन करना आसान है, लेकिन अगर उनको फैमिली फिल्म में लाना है तो उनकी उम्र और इमेज के हिसाब से कहानी होना जरूरी है। हम चाहते हैं कि जब 'प्रेम' लौटे तो वो सही मायनों में ऑडियंस के दिल तक पहुंचे इसलिए कहानी पर बारीकी से काम हो रहा है और इसमें थोड़ा वक्त लग रहा है।'

पति, पत्नी और वो 2 में हुई रकुल प्रीत सिंह की एंट्री

आयुष्मान खुराना जल्द ही फिल्म पति, पत्नी और और वो 2 में दिखाई देंगे। मुदस्सर अजीज इस फिल्म को डायरेक्ट करेंगे। अब इस फिल्म को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। रिपोर्ट्स के अनुसार... पति, पत्नी और वो 2 में आयुष्मान के साथ एक नहीं, बल्कि 3 एक्ट्रेस नजर आएंगी। सारा अली खान और वामिका गब्बी पहले ही इस फिल्म की स्टार कास्ट में शामिल हो गई हैं। अब फिल्म में रकुल प्रीत सिंह की एंट्री हो गई है। मेकर्स ने उन्हें इस फिल्म के लिए साइन कर लिया है।

इसके साथ रकुल को फिल्म की स्क्रिप्ट भी काफी पसंद आई है। फिल्म में उनका क्या किरदार रहेगा इस बारे में फिलहाल जानकारी सामने नहीं आई है। मेकर्स जल्द ही इसकी अनाउंसमेंट करेंगे। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पति, पत्नी और वो 2 की शूटिंग इस साल सितंबर में शुरू हो जाएगी, वहीं यह फिल्म 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। इस फिल्म की कहानी लिखकर तैयार है। फिल्म 2026 में रिलीज होगी, इसकी कहानी भी लिखकर तैयार है।

कैंसर ट्रीटमेंट के दौरान किसी ने नहीं दिया काम, अब मैं ऑडिशन के लिए तैयार हूं

हिना खान टीवी की जानी-मानी एक्ट्रेस हैं। साथ ही फिल्मों में भी लीड रोल कर चुकी हैं। पिछले साल उन्हें ब्रेस्ट कैंसर का पता चला। इसी बीमार से वह डटकर लड़ी और इलाज के बाद ठीक हो गईं। कैंसर ट्रीटमेंट के दौरान भी हिना खान एक्टिव रहीं लेकिन किसी सीरियल या फिल्म में नजर नहीं आईं। जबकि वह तो काम करना चाहती थी। अब हिना खान ने बताया कि किसी ने उन्हें पिछले एक साल में कोई काम ऑफर नहीं किया है।

काम देने से हिचकिचा रहे हैं लोग

एक इंटरव्यू में हिना खान कहती हैं, 'बीमारी का पता लगने, इलाज हो जाने के बाद 'पति पत्नी और पंगा' मेरा पहला प्रोजेक्ट है। मैं काम करना चाहती हूं। किसी ने मुझसे सीधे तौर पर यह नहीं कहा कि तुम अभी भी पूरी तरह से ठीक नहीं हुई हो। लेकिन मुझे लगता है कि शायद लोग काम देने से हिचकिचा रहे हैं। हो सकता है शो बनाने वाले ऐसा करें, मैं उनकी स्थिति भी समझती हूं। अगर मैं उनकी जगह होती, तो हजार बार सोचती।'

ऑडिशन देने के लिए तैयार हैं हिना खान

हिना खान आगे कहती हैं, 'लेकिन मैं ऑडिशन के लिए तैयार हूं, मैं कहां रुकी थी? पिछले एक साल से मुझे किसी ने नहीं बुलाया। मैं हर चीज के लिए तैयार हूं, मुझे कॉल करें।' हाल ही में हिना खान अपने पति रॉकी जायसवाल के साथ शो 'पति पत्नी और पंगा' का हिस्सा बनी हैं।

'पति पत्नी और पंगा' में कई टीवी सेलिब्रिटी कपल शामिल हुए

हिना और रॉकी के अलावा 'पति पत्नी और पंगा' में कई टीवी सेलिब्रिटी कपल भी शामिल हुए हैं। इस लिस्ट में देबिना बोनर्जी और गुरमीत चौधरी, रूबीना दिलैक और अभिनव शुक्ला, अविका गौर और मिलिंद चंदवानी, स्वरा भास्कर और फहद अहमद, गीता फोगट और पवन कुमार, सुदेश लहरी और ममता लहरी शामिल हैं।

जॉन अब्राहम ने की मलयालम सिनेमा की तारीफ, सबसे ज्यादा इन अभिनेताओं का पसंद आया काम

मलयालम फिल्में असली और सच्ची कहानियों के लिए मशहूर हैं। मलयालम फिल्ममेकर किसी मशहूर स्टार के बजाए कहानी पर जोर देते हैं। बॉलीवुड कलाकार जॉन अब्राहम पहले से ही इस तरह की चीजों को पसंद करते रहे हैं। हाल ही में उन्होंने कहा है कि वह मलयालम सिनेमा की तरह फिल्में बनाना पसंद करते हैं। वह मलयालम कलाकार मोहनलाल और ममूटी के फैन हैं।

मलयालम फिल्में बनाना चाहते हैं जॉन

जॉन अब्राहम ने आगे कहा मैं सोच रहा हूं कि मैं मलयालम सिनेमा से कुछ विचार उधार ले सकूं। इसलिए मैंने केरल में एक लेखक रूम बनवाया। ताकि वहां से विचार लें और ऐसी फिल्में देखें जो राष्ट्रीय स्तर पर या सिर्फ मलयालम में बनाई जा सकें। मैं मलयालम फिल्में बनाना चाहता हूं क्योंकि यही सही समय है। हालांकि मैं दूसरी फिल्में भी बनाना चाहता हूं।

जॉन ने की मलयालम फिल्म इंडस्ट्री की तारीफ

इंडियन एक्सप्रेस के साथ बातचीत में जॉन अब्राहम ने मलयालम सिनेमा की इस बात के लिए तारीफ की है कि मलयालम सिनेमा उन कहानियों पर फिल्में बनाता है जिन्हें दूसरे लोग मुश्किल से छूते हैं। उन्होंने कहा मलयालम इंडस्ट्री बहुत बहादुर है। मुझे लगता है कि देश में मलयालम फिल्म इंडस्ट्री से सबसे अच्छी फिल्में आ रही हैं। अगर आप मुझसे पूछेंगे कि सबसे अच्छा अभिनेता कौन है तो मैं कहूंगा मोहनलाल।

जॉन ने की अभिनेता ममूती की तारीफ

जॉन अब्राहम ने फिल्म कैथल- द कोर के अभिनेता ममूती की तारीफ की। उन्होंने कहा आप ममूती को देखिए। उन्होंने फिल्म में एक पॉलिटिशियन का किरदार निभाया है। आप देखेंगे कि उन्होंने फिल्म में समलैंगिक का रोल किया है। मेरा मतलब है कि यह बहुत बहादुरी वाला किरदार है, जो उन्होंने फिल्म में निभाया है।

जॉन अब्राहम का वर्क फ्रंट

जॉन अब्राहम हाल ही में फिल्म द डिप्लोमैट में नजर आए थे। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास नहीं कर पाई थी। वह अपकमिंग फिल्म तेहरान में भी नजर आने वाले हैं। यह फिल्म 14 अगस्त को रिलीज होने वाली है।

मदरहुड जर्नी को एंज्वॉय कर रही हैं कियारा

कियारा आडवाणी का घर और जिंदगी इस वक्त खुशियों से भरी हुई है। 15 जुलाई को कियारा और सिद्धार्थ मल्होत्रा एक बेटी के माता-पिता बने। बेटी के जन्म पर कियारा और सिद्धार्थ ने एक सोशल मीडिया पोस्ट की थी, जिसमें लिखा था, 'हमारी दुनिया हमेशा के लिए बदल गई है। हमें बेटी हुई।' हाल ही में कियारा ने अपनी मदरहुड जर्नी को लेकर भी एक सोशल मीडिया पोस्ट की है।

कियारा ने पोस्ट में लिखे अपने इमोशन

कियारा आडवाणी ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, 'मैं तुम्हारे डायपर बदलती हूं, तुम मेरी दुनिया बदलो। यह एक फेयर ट्रेड (अहह्डस्रद्ब)है।' इस पोस्ट के जरिए कियारा अपनी मदरहुड जर्नी को फैंस के साथ शेयर कर रही हैं। इस मदरहुड जर्नी में पति सिद्धार्थ मल्होत्रा भी कियारा का साथ दे रहे हैं। वायरल वीडियो में अक्सर नजर आता है कि वह कियारा का बहुत ज्यादा ध्यान रखते हैं।

'वॉर 2' में नजर आएंगी कियारा

कियारा आडवाणी इन दिनों ब्रेक पर हैं, वह बेटी की परवरिश में समय दे रही हैं। लेकिन जल्द ही वह फिल्म 'वॉर 2' में ऋतिक रोशन के अपोजिट नजर आएंगी। इस फिल्म की शूटिंग कियारा पहले कर चुकी थीं। फिल्म 'वॉर 2' 14 अगस्त को रिलीज हो रही है। इस साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर भी नजर आएंगे। केजीएफ फेम साउथ एक्टर यश की फिल्म 'टॉक्सिक' में भी अगले साल कियारा नजर आएंगी। यह एक मेगा बजट एक्शन ड्रामा फिल्म होने वाली है। अगले साल मार्च महीने में यह फिल्म रिलीज हो सकती है।

गांधी बनकर खुद को साबित करने का मुझे एक और मौका मिला है...

प्रतीक गांधी फुले के बाद अब गांधी की बायोपिक सीरीज में दिखेंगे। यह इसाने टाइटल रोल में हैं। इसका वर्ल्ड प्रीमियर 50वें टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में भी होगा। उन्होंने इस किरदार के लिए अपनी तैयारी, इसे निभाने की चुनौतियों समेत करियर पर बातचीत की...

गांधी के लिए बेन किंग्सले जैसा जज्बा दिखाएंगे क्या?

जज्बे की बात जहां तक है तो मेरे जीवन का ये सबसे अहम किरदार है। मैं सालों से स्टेज पर यह किरदार प्ले कर रहा हूं। गांधी का मोनोलॉग भी मैं करता हूं। 12-13 वर्षों से स्टेज पर इस किरदार को परफॉर्म किया है। तो कहीं न कहीं अनजाने में मैं इसके लिए तैयारी ही कर रहा था। मुझे नहीं पता था जब मैंने नाटक शुरू किया था कि पास में कभी ऐसी सीरीज भी आएगी। उस तरह से मुझे उस तैयारी ने काफी मदद की है। इसलिए इस किरदार को निभाना बहुत मुश्किल नहीं लगा।

टोरंटो फेस्टिवल में सीरीज के जाने की कैसी खुशी है?

यह इस टोरंटो फेस्टिवल की प्राइमटाइम कैटेगरी में शामिल होने वाली पहली भारतीय सीरीज है। मुझे खुशी है कि ऐसे बड़े प्रतिष्ठित इवेंट में वर्ल्ड हमारी सीरीज को प्रीमियर मिला है। यह मेरे और मेकर्स दोनों के लिए गर्व की बात है। इस सीरीज में भामिनी ओझा कस्तूरबा गांधी की भूमिका निभा रही हैं। इसका म्यूजिक ए आर रहमान ने दिया है। यह कहानी लेखक रामचंद्र गुहा की दो फेमस बुक्स गांधी बिफोर इंडिया और गांधी: द इयर्स दैट चेंज्ड द वर्ल्ड पर आधारित है।

इस किरदार के लिए खुद को कैसे ट्रांसफॉर्म किया है?

ट्रांसफॉर्मेशन का तो ऐसा है कि थोड़ा मसल्स लॉस किया है। चूंकि गांधी जी जरा दुबले-पतले थे। मुझे उस एज ग्रुप को भी प्ले करना था तो उस हिसाब से बदलाव तो करना ही पड़ा।

गांधी जी की उम्र के किन फेज तक जाएगी सीरीज ?

इस सीरीज में गांधी जी की लाइफ के यंग फेज को हम दिखाएंगे। हमने इसमें उनको एक अलग तरह से दिखाने का प्रयास किया है। जब वह साउथ अफ्रीका में पढ़ाई करते थे। सूट-बूट वाले महात्मा गांधी को हम दिखाएंगे। बाकी अपनी गलतियों से सीखकर जो निर्णय उन्होंने जीवन में लिए उसकी वजह से वो महात्मा तक का सफर तय कर पाए थे।

स्कैम... के बाद करियर में क्या बदलाव पाया है?

स्कैम 1992 के बाद बहुत बड़ा बदलाव आया है। राइटर्स-डायरेक्टर्स, मेकर्स के अंदर मुझे लेकर विश्वास बढ़ा है। उन्हें लगने लगा है कि इस पर भी बड़ा दांव लगा सकते हैं। बड़े लंबे अरसे तक हमारी लड़ाई और जनीं यही रही है कि हम सिर्फ किसी का भरोसा जीत पाएं। स्कैम 1992 के बाद ये हुआ कि लोगों ने बहुत ही भरोसा दिखाया। इसी के चलते मुझ तक अच्छी कहानियां पहुंचना शुरू हुई हैं। अब कई राइटर्स कहते हैं कि आपको ही सोचकर ये कहानी तैयार की है। यह बात मुझे सुकून देती है।

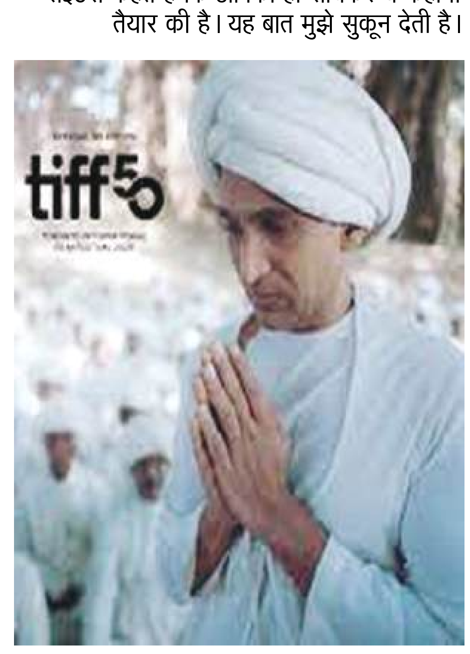

प्रतिमा अग्रवाल (खंड विकास अधिकारी)
मुकेश एपीओ मनरेगा
भारत सिंह (पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष) रोजगार सेवक संघ
रविंद्र चौधरी
मनीकांत (ब्लॉक अध्यक्ष) रोजगार सेवक संघ
मोहित सिंह (रोजगार सेवक)
राजीव कुमार
राकेश
राजवीर सिंह पाल
जगत सिंह
गोविंद कुमार
गजेन्द्र सिंह
समस्त देश व क्षेत्रवासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
नरेंद्र सिंह
सुभाष राणा
शोएब खान
दिनेश कुमार
आशीष कुमार
निवेदक रोजगार सेवक संघ विकासखंड गजरौला जनपद अमरोहा

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
प्रो0 चमन राणा
8630361944
निवेदक:- पलक डिजिटल फोटो स्टूडियो, ढवारसी, अमरोहा

PD LIBRARY
पलक
Director Chaman Rana
Managing D. Amit Rana
Mob. 8630361944
8449292011
Open 24X7
डिजिटल लाईब्रेरी
सुभाष मार्केट, भीमा रोड़, ढवारसी, (अमरोहा)
Registration Open
Call now : 8057138961
Book Your Seat
हमारी व्यवस्थाए-
पूर्णतः शांत एवं वातानुकूलित (AC) वातावरण।
फ्री (हाई स्पीड) वाई-फाई।
सी.सी.टी.वी. की निगरानी।
पढने हेतू निःशुल्क पुस्तकें।
समाचार पत्रों की व्यवस्था।
शुद्ध पेयजल व स्वच्छ शौचालय की सुविधा।
लड़के व लड़कियों को अलग-अलग बैठने की व्यवस्था।
Self Study Point

कृष्णा हेल्थ केयर सेन्टर की तरफ से समस्त देश व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
10 वर्षों से आपकी सेवा में तत्पर
Reg. No. SBL 20270
कृष्णा हेल्थ केयर सेन्टर
पता – बिजलीघर के बराबर बहजोई (सम्भल)
Dr. Panchi Sharma
B.A.M.S. Aligarh
General Physician
Ex. K.K. Hospital Aligarh
Dr. M.K. Rana
E.H. (MD)
(Consultant Physician)
OPD Free
24 घंटे इमरजेंसी सुविधा
Helpline No. 9758074972, 9368168496
पता:- निकट ईदगाह, चंदोसी रोड, बहजोई (संभल)

समस्त क्षेत्र वासियों व देश वासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
की हार्दिक शुभकामनाये
अपील :-
1. अपने घर के आसपास सफाई का ध्यान रखे
2. मच्छर को ना पनपने दे
3. नजला, जुकाम, खांसी होने पर तुरन्त अपने आसपास के सीएचसी जाये / चिकित्सक से परामर्श लें
4. सांप काटने पर झाड़ फूंक के चक्कर में न पड़े तुरन्त सीएचसी पहुंचे
डॉक्टर शशांक चौधरी
निवेदक :- सीएचसी प्रभारी रहरा, जनपद अमरोहा

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
सुविधाएं
*नार्मल डिलीवरी, *छोटे व बड़े ऑपरेशन से डिलीवरी
*पित्त की थैली, गुर्दे की पथरी हर्निया, अपेन्डिक्सप्रोस्टेट एवं महिलाओं की बच्चेदानी का ऑपरेशन
*महिलाओं की सभी प्रकार की बीमारियों का इलाज
*डॉपलर द्वारा गर्भवती महिलाओं की जाँच,
*बच्चों की सभी बीमारियों का इलाज
*गुर्दे की पथरी का दवाईयों द्वारा इलाज,
*पित्त की थैली का दूरबीन विधि द्वारा ऑपरेशन
डॉ मुन्ताजिम
बीएएमएस
जनरल फिजिशियन
पता:- निकट ईदगाह, चंदोसी रोड, बहजोई (संभल)

Be more. Be better
KHAITAN WORLD SCHOOL
HCM INTER COLLEGE
ENGLISH MEDIUM
We extend our warm wishes to all on the occasion of India's 79th Independence Day
AUGUST 15TH
HAPPY Independence Day
Tigri Road, Kumrala Gajraula , Amroha UP -244235 | 92587 41114 / 15

समस्त देश व क्षेत्रवासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
डॉ. उवैस खान
अहसान हॉस्पिटल
9259204213, 9760333133
भारत पेट्रोल पम्प, हीरो एजेंसी वाली गली, कृष्णा कुंज, बहजोई जिला सम्भल
निवेदक:- एहसान हॉस्पिटल, भारत पेट्रोल पंप, हीरो एजेंसी वाली गली कृष्णाकुंज बहजोई, संभल